PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 320 ● भिलाई, शनिवार 04 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

चढ़ावे के मामले में श्री दंडायुथापाणी स्वामी मंदिर ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड

तमिलनाडू। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की खबरों के बीच तमिलनाडु के पलानी स्थित श्री दंडायुथापाणी स्वामी मंदिर ने अपने इतिहास में सबसे ज्यादा सालाना चढ़ावा कलेक्शन का रिकॉर्ड बनाया है। नए कलेक्शन के साथ मंदिर की कुल आय 61 करोड़ 21 लाख 95 हजार 3 सौ 87 रुपये हो गई है, जिसने पिछले 58 करोड़ 28 लाख 51 हजार 5 सौ 25 रुपये के सालाना रिकॉर्ड को पार कर लिया है। बता दें कि श्री दंडायुथापाणी स्वामी मंदिर की यह आय भक्तों की तरफ से दान की गई राशि का हिस्सा है। इस गिनती की प्रक्रिया मंदिर के अधिकारियों, बैंक कर्मचारियों और स्वयंसेवकों, कॉलेज के छात्रों और स्टूडेंट्स की मौजूदगी में पूरी की गई थी। श्री दंडायुथापाणी स्वामी मंदिर भगवान कार्तिकेय को समर्पित सबसे प्रसिद्ध और धनी हिंदू मंदिरों में से एक है। श्री दंडायुथापाणी स्वामी मंदिर, शिवगिरि पहाड़ी की चोटी पर स्थित है।

शिवसैनिकों से बोले- डटे रहो, मैं आपके साथ हूं-उद्धव ठाकरे

नांदेड़। महाराष्ट्र के सियासी गलियारे में शिवसेना के दोनों गुटों (यूबीटी बनाम शिंदे गुट) के बीच जारी टकराव और तेज हो गया है। ऑपरेशन टाइगर के तहत उद्धव ठाकरे गुट के 6 लोकसभा सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने के बाद से कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा है। इसी तनाव के बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे जब नांदेड़ पहुंचे, तो उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ा। उद्धव गुट के कार्यकर्ताओं ने उनके काफिले को काले झंडे दिखाए, जिसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। डॉ. श्रीकांत शिंदे यहां पाला बदलने वाले स्थानीय सांसद नागेश पाटिल आष्टीकर के निर्वाचन क्षेत्र के दौरे पर आए थे। काले झंडे दिखाए जाने और शिवसैनिकों की गिरफ्तारी की भनक लगते ही शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने तुरंत मोर्चा संभाला।

बादल फटने से जलप्रलय जैसे हालात! जम्मू-कश्मीर के कई गांवों का टूटा संपर्क

जम्मू। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पहाड़ी क्षेत्रों में अपनी औपचारिक दस्तक दे दी है। हालांकि, मानसून के आगमन का पहला ही दिन इन दोनों प्रदेशों के लिए भारी तबाही लेकर आया। मौसम के अचानक बदले मिजाज के कारण जम्मू-कश्मीर के डोडा, किश्तवाड़ और बांडीपोरा समेत करीब आधा दर्जन इलाकों में बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं, जिसके बाद आई अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) ने बड़े पैमाने पर जनजीवन को प्रभावित किया है। श्रीनगर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. मुख्तायार अहमद ने दोनों केंद्र शासित राज्यों में मानसून के सक्रिय होने की आधिकारिक पुष्टि की है।

दो करोड़ लोग, 30 देशों के प्रतिनिधि कर रहें है

तीन महीने बाद अयातुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम विदाई शुरू

ईरान/ एजेंसी

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। खामेनेई के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया 4 जुलाई से शुरू होगी और उनके गृहनगर पवित्र शहर मशाद में नौ जुलाई को दफनाने के साथ खत्म होगी। जानकारी के मुताबिक इस दौरान करीब दो करोड़ लोग वहां मौजूद होंगे, जिसमें 30 देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। यह सबकुछ छह दिन तक चलेगा। अंतिम संस्कार की रस्में, दक्षिणी तेहरान के पवित्र शहर कौम में भी होंगी। बता दें कि 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले के दौरान खामेनेई की मौत हो गई थी। दोनों देशों के बीच फिलहाल शांति बहाल है और युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत चल रही है। अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में, 4 जुलाई से शुरू होंगी। इस दिन खामेनेई का ताबूत तेहरान के 'ग्रैंड मोसल्ला' में रखा जाएगा। इस दौरान ईरान की आम जनता, उनके दर्शन करेगी। इसके बाद छह जुलाई को तेहरान की गलियों में खामेनेई की अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। अयातुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम यात्रा इस दिन पवित्र शहर कौम पहुंचेगी। यह शहर तेहरान के दक्षिण-पश्चिम में करीब 140 किमी दूर है। कौम शहर, शिया इस्लामिक विद्वानों का एक अहम सेंटर माना जाता है। इसके बाद अंतिम यात्रा पहुंचेगी दो अन्य ऐतिहासिक और पवित्र शहरों,

नजफ और कर्बला में। यह दोनों शहर इराक के पड़ोस में हैं। अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार का यह अंतिम दिन होगा। इस दिन उन्हें मशाद के इमाम रेजा दरगाह में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। यह खामेनेई का गृहनगर भी है। ईरान के सरकारी मीडिया द्वारा जारी वीडियो में गुरुवार रात खामेनेई के लिए आयोजित एक शोकसभा दिखाई गई। काले कपड़े पहने शोकाकुल लोगों ने स्कार्फ और अन्य वस्तुएं वहां मौजूद सहायकों की ओर फेंकीं ताकि उन्हें ताबूत से स्पर्श कराया जा सके। ईरान में यह एक आम परंपरा है। ईरान की सरकारी मीडिया ने खामेनेई के ताबूत की तस्वीरें जारी कीं। इस पर लाल झंडा लिपटा हुआ था। इस झंडे पर सफेद अक्षरों में 'या हुसैन' लिखा था। यह शिया समुदाय का एक वाक्यांश है, जो पैगंबर मोहम्मद के नवासे की सातवीं सदी में हुई शहादत की याद दिलाता है। परंपरागत रूप से यह झंडा अन्यायपूर्ण तरीके से मारे गए व्यक्ति के बहाए गए खून और उसका बदला लेने के आह्वान का भी प्रतीक है। ईरान सरकार का आकलन है कि शनिवार से राजधानी की सड़कों पर करीब दो करोड़ लोग उतरेंगे। यह दृश्य 1989 में दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रूहुल्ला खुमैनी के अंतिम संस्कार जैसा हो सकता है।

खामेनेई के जनाजे में शामिल हुआ भारतीय डेलिगेशन, महबूबा मुफ्ती हुई भावुक

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे में शामिल होने के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंच गया है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने तेहरान पहुंचकर खामेनेई को श्रद्धांजलि दी, इस दौरान जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती भावुक हो उठी। उन्होंने अली खामेनेई को लहरों के खिलाफलड़ने वाले मसीहा बताया। महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई की शहादत पर अपनी गहरी संवेदना और एकजुटता दिखाने के लिए तेहरान में होना मेरे लिए सम्मान की बात है। वह एक सम्मानित लीडर जिन्होंने लहर के खिलाफ खड़े होने और दबे-कुचले लोगों के लिए लड़ने की हिम्मत की।

चन्नी गुट की खुली बगावत!

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजा वडिंग के खिलाफ मोर्चा..

नई दिल्ली। आगामी पंजाब विधानसभा से पहले प्रदेश कांग्रेस के संगठन में फेरबदल को लेकर पार्टी के अंदर खींचतान शुरू हो गई है। चन्नी गुट और राजा वडिंग गुट शक्ति-परीक्षण कर रहे हैं। नए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को लेकर प्रदेश में असंतोष अब खुलकर सामने आ चुका है। इस बीच, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के मोरिंडा आवास पर उनके समर्थकों का लगातार दूसरे दिन जमावड़ा लगा। इस दौरान पार्टी नेतृत्व, खासकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजा वडिंग की कार्यशैली पर जमकर सवाल उठाए गए। मीडिया सूत्रों के अनुसार,

चन्नी के आवास पर हुई बैठक में मौजूद पूर्व विधायकों और नेताओं ने खुले तौर पर राजा वडिंग के नेतृत्व चुनौती दी। नेताओं का कहना है कि 2022 विधानसभा चुनाव में हार और उसके बाद प्रदेश में पार्टी के प्रदर्शन को देखते हुए कार्यकर्ता राज्य में बदलाव की उम्मीद कर रहे थे।

पाकिस्तान में भीषण सड़क हादसा

अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस; 40 लोगों की दर्दनाक मौत कई लोग घायल...

नई दिल्ली। पाकिस्तान के अशांत और दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र बलूचिस्तान से एक हृदयविदारक समाचार सामने आया है। शुक्रवार को एक यात्री बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई, जिससे कम से कम 40 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह भीषण दुर्घटना बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों की सीमा के पास हुई। इस हादसे ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर बढ़ा दी है और राहत-बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी हैं। अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह दुखद घटना बलूचिस्तान के शेरानी जिले के धनसार इलाके में हुई। बस बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान की ओर जा रही थी। रास्ते में पहाड़ी इलाके की घुमावदार सड़कों पर बस चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप वाहन सीधे गहरी खाई में जा गिरा। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, बस में सवार यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े, लेकिन गहरी खाई होने के कारण बचाव कार्य में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। दुर्घटना के समय बस में कुल कितने यात्री सवार थे, इसे लेकर

अलग-अलग आंकड़े सामने आ रहे हैं। शेरानी के डिप्टी कमिश्नरवली खान काकर के मुताबिक, बस 36 यात्रियों के साथ क्वेटा से रवाना हुई थी हालांकि, रास्ते में एक दूसरी बस खराब हो गई थी, जिसके यात्रियों को भी इसी बस में सवार कर लिया गया था। वहीं, खैबर पख्तूनख्वा की रेस्क्यू 1122 सेवा के अनुसार, जब बस दुर्घटनाग्रस्त हुई तब उसमें कुल 48 यात्री सवार थे। अब तक 40 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने तुरंत राहत कार्य तेज करने के आदेश जारी किए। वर्तमान में दोनों प्रांतों का जिला प्रशासन, झोब इमरजेंसी सर्विस और रेस्क्यू 1122 की टीमें मौके पर तैनात हैं। मुख्यमंत्री के सलाहकार शाहिद रिंद ने पुष्टि की है कि घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कई की स्थिति नाजुक बनी हुई है। सरकार ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के भी आदेश दिए हैं ताकि दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

राम मंदिर मामले में कलयुग से ज्यादा छलयुग!

पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री बोले- मठ-मंदिरों को बना रहे निशाना

अयोध्या / एजेंसी

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने अयोध्या दौरे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हमें देश की न्याय-व्यवस्था और सरकार पर पूरा भरोसा है और कहा कि सभी दोषियों को सजा मिलेगी। साथ ही, धीरेंद्र शास्त्री ने आरोप लगाया कि कुछ शक्तियां वर्तमान समय में संतों और मठ-मंदिरों के प्रति आस्था और श्रद्धा गिराने के मकसद से सुनियोजित तरीके से षड्यंत्र कर रही हैं। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने शुक्रवार को अयोध्या में हनुमानगढ़ी

के दर्शन किए। उन्होंने हनुमानगढ़ी के पुजारी महंत राजू दास के गुरु महंत संत राम दास के आश्रम पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, हमने हनुमान गढ़ी में हनुमान दादा के दर्शन किए। हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास के गुरु महंत संत राम दास का हाल ही में निधन हुआ। वे उज्जैनिया पट्टी के श्रीमहंत थे। उनके निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए अयोध्या आए हैं। यह हमारा सौभाग्य है। इसी दौरान, राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, यह कोई मामूली पाप नहीं, बल्कि महापाप है और भगवान इसकी सजा देंगे। लेकिन हम यह भी कहना चाहेंगे कि हमें देश के कानून-व्यवस्था और एसआईटी पर भरोसा रखना चाहिए, क्योंकि जांच चल रही है। हमें देश की न्याय-व्यवस्था और सरकार पर पूरा भरोसा है और सभी दोषियों को सजा मिलेगी। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, वर्तमान में कलयुग से ज्यादा छलयुग चल रहा है।

प्रदेश में विदेशी एजेंसियां कर रहीं एआई से निगरानी, गृह मंत्रालय ने किया अलर्ट

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हिमाचल प्रदेश के सरकारी विभागों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के अन्य उपकरणों के सावधानीपूर्वक उपयोग के लिए अलर्ट किया है। विदेशी एजेंसियां राज्य में इन तकनीकों का उपयोग कर निगरानी कर रही हैं। इनमें से कुछ एजेंसियां हिमाचल प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के शैक्षणिक संस्थानों में चल रहे अनुसंधान कार्यों पर भी नजर रखे हुए हैं। मंत्रालय ने सरकारी विभागों को एआई के इस्तेमाल में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। यह कदम विदेशी ताकतों की ओर से संवेदनशील जानकारी तक पहुंच बनाने के संभावित खतरे को देखते हुए उठाया गया है।

सीजेआई से इंडिया गठबंधन की ये कैसी गुहार

आपसे ही अंतिम आस,वरना ध्वस्त हो जाएगा लोकतंत्र....

नई दिल्ली/ एजेंसी

मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस की अगुवाई वाले इंडिया गठबंधन ने देश के मुख्य न्यायाधीशजस्टिस सूर्यकांत को लिखे अपने पत्र का पूरा टेक्स्ट शुक्रवार को जारी किया। इसमें आरोप लगाया गया है कि चुनावी प्रक्रिया में हेर-फेर की जा रही है और चेतावनी दी गई है कि अगर न्यायपालिका ऐसी चिंताओं पर कोई कदम नहीं उठाती है, तो यह लोकतंत्र के पूरी तरह से ध्वस्त होने का संकेत होगा। विपक्षी गठबंधन ने इस पत्र में कहा है कि जब सभी संस्थागत तंत्र विफल हो जाते हैं तो नागरिकों

की अंतिम उम्मीद न्यायपालिका ही होती है। पिछले महीने की 28 जून को विपक्ष के 23 दलों के नेताओं ने यह पत्र लिखा था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कई अन्य नेताओं ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं। छह पेज के इस पत्र में कहा गया है कि आम तौर पर वे चीफजस्टिस को पत्र नहीं लिखते। पत्र में कहा गया, क्योंकि हमारा लोकतंत्र खतरे में है, इसलिए हमने यह असामान्य रास्ता चुना है। न्यायपालिका से उठाए गए मुद्दों पर विचार करने का आग्रह करते हुए विपक्ष ने पत्र में लिखा है, जब बाकी सब रास्ते बंद हो जाते हैं, तब भी लोग न्यायपालिका पर भरोसा करते हैं। इसलिए, जब न्यायपालिका कोई प्रतिक्रिया नहीं देती, तो यह लोकतंत्र के पूरी तरह से विफल होने का संकेत है।

ओमप्रकाश जायसवाल बने हाईकोर्ट के नए रजिस्ट्रार

17 जजों का ट्रांसफर-अजय संभालेंगे एनआईए कोर्ट की कमान

बिलासपुर/ संवाददाता

हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय ने उच्च न्यायिक सेवा संवर्ग के न्यायिक अधिकारियों को तबादला आदेश जारी किया है. इस आदेश में 17 उच्च न्यायिक सेवा के अधिकारियों को तबादला किया गया है.हाईकोर्ट से जारी आदेश में जगदलपुर में प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत को स्पेशल जज एनआईए कोर्ट जगदलपुर में पदस्थ किया गया है. सिद्धार्थ अग्रवाल द्वितीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जगदलपुर को प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जगदलपुर, किरन कुमार जांगड़े को प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलरामपुर-रामानुजगंज, विनय कुमार प्रधान अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश एफटीसी पाक्सों रायपुर को रायपुर में ही एफटीसी कोर्ट में पदस्थ किया गया है. डमरूधर चौहान षष्ठम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रायपुर को दसम जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद रायपुर में ही पदस्थ किया गया है.इस प्रकार बलौदाबाजार के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अब्दुल जाहिद कुरैशी का तबादला हाईकोर्ट में रजिस्ट्रार विजलेंस के पद में किया गया है. बलौदाबाजार के प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार वर्मा का छत्तीसगढ़ न्यायिक अकादमी बिलासपुर में एडिशनल डायरेक्टर के पद में तबादला किया गया. हाईकोर्ट लीगल सर्विस कमेटी के सचिव ओम प्रकाश

जायसवाल को हाईकोर्ट में ही रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल के पद में पदस्थ किया गया है. रूपनारायण पात्रे द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश बिलासपुर को हाईकोर्ट लीगल सर्विस कमेटी हाईकोर्ट में सचिव के पद में पदस्थ किया गया है. भौगोलिकसंदर्भविनिता वारनेर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सूरजपुर को बलौदाबाजार में पदस्थ किया गया. सूरजपुर परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश थामस एक्का को सूरजपुर में ही प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद में पदस्थ किया गया है. रायपुर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को विशेष न्यायाधीश एस्ट्रोसिटी कोर्ट का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. विशेष न्यायाधीश एनआईए को जगदलपुर संगीता नवीन तिवारी का बलौदाबाजार में प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश, प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलरामपुर-रामानुजगंज डॉ.मनोज कुमार प्रजापति का सारंगढ़ रायगढ़, अमित राठौर द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सारंगढ़ का रायपुर, हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार न्यायिक सुमित कपूर का रायपुर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ न्यायिक अकादमी के एडिशनल डायरेक्टर अमित कुमार कोहली को बलरामपुर-रामानुजगंज तबादला किया गया है. हाईकोर्ट के वेब साइड में तबादला आदेश जारी कर दिया गया है.

युक्तियुक्तकरण नीति पर हाईकोर्ट की मुहर, सरकार के निर्णय को ठहराया सही

बिलासपुर. छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों और शालाओं के युक्तियुक्तकरण की नीति पर हाईकोर्ट ने मुहर लगा दी है. इस नीति को चुनौती देने वाली छत्तीसगढ़ विद्यालयीन शिक्षक कर्मचारी संघ सहित प्रदेशभर के शिक्षकों की सभी 24 से अधिक याचिकाओं को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है. जस्टिस बिभू दत्त गुरु की सिंगल बेंच ने अपने फैसले में कहा, कि शिक्षकों का स्कूलों में तर्कहीन या असमान वितरण सुधारने के लिए सरकार का यह कदम जनहित में है. डेमोग्राफिक्स बता दें, प्रदेश के ग्रामीण और अंदरूनी क्षेत्रों के शिक्षक विहीन या एकल-शिक्षकीय स्कूलों में शिक्षकों की कमी है. इसलिए 16,165 शिक्षकों एवं प्राचार्यों का युक्तियुक्तकरण किया गया है.

बम्हनी उपार्जन केंद्र में 77 लाख से अधिक का धान घोटाला, 2386क्विंटल धान गायब

प्रबंधक से लेकर निगरानी तंत्र तक जिम्मेदारी पर उठे गंभीर सवाल

कवर्धा। कबीरधाम जिले के उपार्जन केंद्र बम्हनी (समनापुर) में सामने आए 77 लाख रुपये से अधिक के धान घोटाले ने समर्थन मूल्य खरीदी व्यवस्था की साख पर गहरा दाग लगा दिया है। सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज धान और वास्तविक भंडारण के बीच भारी अंतर ने न केवल खरीदी व्यवस्था की पोल खोल दी है, बल्कि यह भी संकेत दिया है कि बिना अंदरूनी संरक्षण के इतनी बड़ी गड़बड़ी संभव नहीं थी। मामला अब केवल धान की कमी तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि पूरे निगरानी तंत्र की जवाबदेही तय करने तक पहुंच गया है। जानकारी के अनुसार उपार्जन केंद्र बम्हनी (समनापुर) में 15 नवंबर 2025 से 6 फरवरी 2026 के बीच कुल 55,220.40 क्विंटल धान की खरीदी की गई थी। लेकिन 12 जून 2026 को संयुक्त जांच दल द्वारा किए गए भौतिक सत्यापन में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। ऑनलाइन स्टॉक और वास्तविक भंडारण के बीच 2386.52 क्विंटल धान की कमी पाई गई। गायब धान की कीमत 73,98,212 रुपये आंकी गई। इतना ही नहीं, जांच में 8554 नग उपयोग विहीन बारदानों की कमी भी सामने आई, जिसकी कीमत 3,27,793 रुपये बताई गई। इस प्रकार कुल 77,26,005 रुपये की आर्थिक क्षति होना पाया गया। मामले में रैंगाखार थाना में समिति प्रबंधक अनिल चंद्राकर, उपार्जन केंद्र प्रभारी मतु लाल झरिया और कंप्यूटर ऑपरेटर छबू साहू के खिलाफ अपराध दर्ज किया जा चुका है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मामला दर्ज होने के बाद भी तीनों आरोपी अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं और फरार बताए जा रहे हैं। इससे पुलिस कार्रवाई की गंभीरता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। इतने बड़े आर्थिक अपराध के आरोपी अब तक गिरफ्त से बाहर होना अपने आप में कई संकेत दे रहा है। इस पूरे मामले का सबसे गंभीर पहलू यह है कि प्रति सप्ताह नोडल अधिकारियों द्वारा भौतिक सत्यापन किया जाता था। नियमों के अनुसार उपार्जन केंद्रों में नियमित सत्यापन अनिवार्य होता है। इसके लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं। साथ ही एक निगरानी समिति भी गठित रहती है, जिसका अध्यक्ष और सदस्य पूरे स्टॉक, बारदाना और भंडारण व्यवस्था की निगरानी के लिए जिम्मेदार होते हैं। यदि हर सप्ताह निरीक्षण हुआ, तो 2386 क्विंटल धान और हजारों बारदानों की कमी आखिर किसी की नजर में क्यों नहीं आई। यह स्थिति पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर सीधा प्रहार करती है। साफतौर पर दो ही संभावनाएं दिखाई देती हैं–या तो भौतिक सत्यापन केवल कागजों में पूरा किया गया, या जिम्मेदार अधिकारियों ने जानबूझकर आंखें मूंद लीं। दोनों ही स्थितियां बेहद गंभीर और चिंताजनक हैं। हजारों क्विंटल धान का गायब होना किसी छोटी तकनीकी त्रुटि का परिणाम नहीं माना जा सकता। इतने बड़े स्तर पर धान की कमी एक दिन में नहीं होती। यह लंबे समय से चल रही सुनियोजित अनियमितता का संकेत है। यदि धान धीरे-धीरे बाहर किया गया, तो परिवहन, भंडारण, रजिस्टर प्रविष्टि और ऑनलाइन रिकॉर्ड तक कई स्तरों पर मिलीभगत की आशंका स्वाभाविक रूप से सामने आती है। ऐसे में केवल समिति प्रबंधक, केंद्र प्रभारी और कंप्यूटर ऑपरेटर पर मामला दर्ज कर देना पर्याप्त कार्रवाई नहीं माना जा सकता। अब जिम्मेदारी तय करने के लिए यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि साप्ताहिक भौतिक सत्यापन करने वाले नोडल अधिकारी कौन थे, निगरानी समिति के अध्यक्ष और सदस्य कौन थे, सत्यापन रिपोर्ट में स्टॉक हमेशा सही कैसे दर्शाया गया और उच्च अधिकारियों तक वास्तविक स्थिति क्यों नहीं पहुंची। यदि जांच केवल निचले स्तर के कर्मचारियों तक सीमित रही, तो इसे अधूरी कार्रवाई माना जाएगा। इतने बड़े घोटाले में प्रशासनिक जवाबदेही तय करना अनिवार्य है।

नोडल अधिकारी, निगरानी समिति, संबंधित सहकारी विभाग और खरीदी व्यवस्था से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच समय की मांग बन चुकी है। बम्हनी उपार्जन केंद्र का यह मामला स्पष्ट चेतावनी है कि जब निगरानी तंत्र ही निष्क्रिय या संदिग्ध हो जाए, तब सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार को खुली छूट मिल जाती है। अब जनता यह जानना चाहती है कि 77 लाख रुपये से अधिक की क्षति का असली जिम्मेदार कौन है–केवल तीन फरार आरोपी या पूरा वह तंत्र जिसने समय रहते इस घोटाले को रोकने के बजाय उसे पनपने दिया। जब तक हर जिम्मेदार व्यक्ति पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक यह मामला प्रशासनिक लापरवाही और जवाबदेही पर बड़ा सवाल बना रहेगा।

दल्लीराजहरा में सतगुरु कबीर साहेब की जयंती मनाई गई

दल्लीराजहरा। सतगुरु कबीर साहेब की जयंती दल्लीराजहरा में श्रद्धा, सेवा और रोशनी के संगम के साथ मनाई गई। मानिकपुरी पनिका समाज ने दिनभर चले कार्यक्रमों में नगरवासियों को कबीर के दोहों से जोड़ने का काम किया। कार्यक्रम की शुरुआत जैन भवन चौक से हुई। गुरुदेव कबीर साहेब की तस्वीर की पूजा-अर्चना के बाद मानिकपुरी पनिका समाज ने नगरवासियों के लिए प्रसादी के रूप में पोहा, चना और मीठा शरबत वितरित किया। दोपहर तक चौक में भीड़ लगी रही और हजारों लोगों ने कबीर के सेवा भाव को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। मानिकपुरी पनिका समाज के नगर अध्यक्ष रामदास मानिकपुरी ने कहा, कबीर साहेब सिर्फ संत नहीं, एक बड़े समाज सुधारक थे। उनका दोहा - बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय - हमें सिखाता है कि मन साफरखो। माटी कहे कुम्हार से, तू क्या रौंदे मोय - यह समानता का संदेश है। कबीर खड़े बाजार में, सबकी मांगे खैर - यह पूरी दुनिया के लिए मंगल कामना है। शाम होते ही कबीर मॉंदर का माहौल भक्तिमय हो गया। समाज के सैकड़ों महिला-पुरुषों की उपस्थिति में 1001 दीपों के साथ भव्य महा आरती की गई। दीपों की लौ में पूरा मॉंदर जगमगा उठा और साहेब बंदगी साहेब के जयकारे से आकाश गूंज उठा। कबीर साहेब की इस जयंती ने एक बार फिर साबित किया कि कबीर कोई संप्रदाय नहीं, बल्कि जीवन जीने की सोच हैं। और दल्ली राजहरा का भाईचारा उसी सोच का सबसे बड़ा उदाहरण है।

सरस्वती साइकिल योजना के तहत छात्राओं को मिली साइकिल

धमतरी। ग्राम मुजगहन स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत छात्राओं को साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला महामंत्री ओमेश यादव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य घनेश्वरी साहू ने की।

इस अवसर पर सरपंच होमेश्वर साहू, प्राचार्य मोनिका गोस्वामी, विद्यालय परिवार, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ओमेश यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। सरस्वती साइकिल योजना बेटियों के सपनों को नई उड़ान देने वाली महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने छात्राओं से मन लगाकर अध्ययन करने, अनुशासन का पालन करने तथा अपने परिवार, विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। जिला पंचायत सदस्य घनेश्वरी साहू ने छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि शिक्षित बेटियाँ समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं। प्राचार्य मोनिका गोस्वामी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए छात्राओं से इस योजना का लाभ उठाकर नियमित अध्ययन करने और अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने छात्राओं को साइकिल वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ दीं। अंत में विद्यालय परिवार द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

जनदर्शन में गूंजीं शिक्षा, सड़क,सीमांकन, आजीविका की मांगें

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बीते दिन कलेक्टोरेट में आयोजित जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे ग्रामीणों और नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में शिक्षा, राजस्व, सड़क, आवास, सिंचाई, पेयजल, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मामले सामने आए। ग्राम पंचायत लटियारा के सरपंच ने ग्राम लटियारा में एकलव्य विद्यालय खोलने का प्रस्ताव कलेक्टर के समक्ष रखा। राजस्व से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में बेलरगांव तहसील के ग्राम बिरगुड़ी निवासी होमनलाल सोनी ने बताया कि उनकी भूमि का सीमांकन दो अलग.अलग राजस्व निरीक्षकों द्वारा किया गया, जिनकी रिपोर्ट परस्पर विरोधी है। उन्होंने जिला स्तरीय टीम गठित कर पुनः सीमांकन एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। ग्राम छुही के भारतलाल साहू ने आवेदन देकर बताया कि उनकी भूमि रामसागर जलाशय में सिंचाई विभाग की परियोजना में समाहित हो गई है। लेकिन अब तक उन्हें मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने उचित मुआवजा दिलाने की मांग की। ग्राम पंचायत मुकुंदपुर के सरपंच एवं ग्रामीणों ने घास भूमि के खसरा नंबर एवं रकबे को आवासीय बसाहट के लिए आबादी भूमि घोषित करने की मांग की। ग्रामीणों ने सड़कपारा में पाइप कनेक्शन की अनुमति देने तथा दुगलीपारा से हरदीभाठा मुख्य मार्ग तक लगभग एक किलोमीटर सीसी सड़क निर्माण के लिए राशि स्वीकृत करने का भी आग्रह किया। ग्राम पंचायत घोटगांव के ग्रामीणों ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों की नियुक्ति की मांग रखी। वहीं ग्राम पंचायत मोहेरा के राजमिस्त्री प्रशिक्षणार्थियों एवं अन्य नागरिकों ने प्रोजेक्ट उन्नति के तहत राजमिस्त्री प्रशिक्षण शुरू कराने की मांग की। पीएमश्री विद्यालयों में कार्यरत योग एवं खेल शिक्षकों ने मानदेय भुगतान में हो रही देरी का मुद्दा उठाया। दूसरी ओर ग्राम चंद्रसूर के ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना प्लस 2.0 के चयन में भेदभाव एवं पक्षपात की शिकायत दर्ज कराई। ग्राम जुगदेही निवासी हृदय रोगी तुमेश कुमार साहू ने बताया कि उनका उपचार एम्स रायपुर में चल रहा है और स्वास्थ्य कारणों से वे भारी श्रम करने में असमर्थ हैं। उन्होंने परिवार के भरण.पोषण के लिए कार्यालयीन कार्य उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इसके अलावा रामसागर पारा, धमतरी निवासी भूपेश रजक ने अपने बच्चे के लिए बेहतर विद्यालय में निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने सभी आवेदनों पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ समाधान सुनिश्चित करना है।

कसडोल प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच और पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग, मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बलौदाबाजार। कसडोल थाना क्षेत्र के बहुचर्चित प्रकरण को लेकर बलौदाबाजार प्रेस क्लब ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर कुलदीप शर्मा को ज्ञापन सौंपते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन की प्रतिलिपि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, गृह मंत्री, पुलिस महानिदेशक, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग सहित विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को भी प्रेषित की गई है। प्रेस क्लब ने ज्ञापन में कहा है कि कसडोल थाना क्षेत्र में सामने आए प्रकरण में एक ओर स्वयं को अनुसूचित जाति वर्ग की बताने वाली युवती द्वारा गंभीर आरोप लगाए गए हैं, वहीं दूसरी ओर थाना कसडोल पुलिस ने 28 जून 2026 को अपराध क्रमांक 260/2026 में धारा 308(2), 308(6), 217, 248(ख), 61(2)(क) एवं 45 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मामला दर्ज कर इसे कथित ब्लैकमेलिंग एवं उगाही का प्रकरण बताया है। दोनों पक्षों के दावे एक-दूसरे से भिन्न होने के कारण सत्य का पता लगाने के लिए स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच आवश्यक है। ज्ञापन में मांग की गई है कि मामले की जांच स्थानीय स्तर से हटाकर किसी स्वतंत्र एजेंसी अथवा वरिष्ठ अधिकारी की निगरानी में कराई जाए, ताकि निष्पक्ष रूप से वास्तविक तथ्य सामने आ सकें। प्रेस क्लब ने यह भी मांग की है कि प्रकरण से जुड़े महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए। इसके तहत थाना कसडोल एवं एसडीओपी कार्यालय कसडोल के 24 जून से 28 जून 2026 तक तथा कलेक्टर कार्यालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं सखी सेंटर, बलौदाबाजार के 26 जून से 28 जून 2026 तक के सीसीटीवी फुटेज संरक्षित कर जांच का हिस्सा बनाया जाए। ज्ञापन में बलौदाबाजार निवासी पत्रकार विजय शंकर तिवारी को उक्त प्रकरण में आरोपी बनाए जाने पर भी चिंता व्यक्त की गई है। प्रेस क्लब ने मांग की है कि उनके विरुद्ध की गई कार्रवाई की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष समीक्षा की जाए। साथ ही पत्रकार के साथ थाना कसडोल में कथित मारपीट के आरोपों की स्वतंत्र जांच कर दोषी पाए जाने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। प्रेस क्लब ने कहा कि लोकतंत्र में स्वतंत्र एवं निर्भीक पत्रकारिता की सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। इसलिए छत्तीसगढ़ में लंबे समय से लंबित पत्रकार सुरक्षा कानून शीघ्र लागू किया जाए तथा पत्रकारों को उनके वैधानिक दायित्वों के निर्वहन के दौरान प्रभावी विधिक संरक्षण प्रदान किया जाए। मुख्यमंत्री के नाम यह ज्ञापन जिला कलेक्टर कुलदीप शर्मा को सौंपा गया। इस दौरान बलौदाबाजार प्रेस क्लब के अध्यक्ष नरेश गनशानी के नेतृत्व में सचिव दलजीत सिंह चावला, कोषाध्यक्ष राजेश्वर सिंह गिरी, राघवेंद्र सिंह, गोविंद रात्रे, श्रवण ध्रुव, लोकेश्वर बघेल, गणेश साहू सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे। प्रेस क्लब ने उम्मीद जताई है कि शासन एवं प्रशासन इस पूरे मामले में निष्पक्ष, पारदर्शी एवं न्यायसंगत कार्रवाई सुनिश्चित करेगा, जिससे सत्य सामने आए और दोषी के विरुद्ध कानून के अनुरूप कार्रवाई हो सके।

सीएम हेल्पलाइन 1076 से दिव्यांग दिव्यांग दुर्गेश साहू को मिली ट्राइसाइकिल

बलौदाबाजार। सोशल मीडिया के माध्यम से सीएम हेल्पलाइन 1076 की जानकारी मिलने के बाद बलौदाबाजार संजय कॉलोनी निवासी दिव्यांग दुर्गेश साहू ने नई ट्राई साइकिल प्रदान करने के लिए कॉल किया। इसके बाद 15 दिनों के भीतर उन्हें नई बैटरी संचालित ट्राइसाइकिल उपलब्ध करा दी गई। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने आज दुर्गेश साहू को नई बैटरी संचालित ट्राइसाइकिल प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने दुर्गेश से उनका हाल-चाल जाना और ट्राइसाइकिल का अनुभव भी पूछा। इस पर दुर्गेश साहू ने बताया कि ट्राइसाइकिल की गुणवत्ता काफी अच्छी है तथा इसकी ऊंचाई भी सुविधाजनक है, जिससे इसे चलाने में आसानी होगी। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने कहा कि दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल एवं अन्य सहायक उपकरणों की मरम्मत के लिए बार-बार परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा शीघ्र ही रिपेयरिंग शॉप की स्थापना की जाएगी। इससे दिव्यांगजनों को अपने सहायक उपकरणों की मरम्मत की सुविधा स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2010 में एक सड़क दुर्घटना के कारण दुर्गेश साहू गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दुर्घटना के बाद उनके शरीर का कमर के नीचे का हिस्सा काम करना बंद कर गया, जिससे वे पूर्णतः दिव्यांग हो गए। लंबे समय तक उन्हें आने-जाने सहित दैनिक कार्यों के लिए अपने परिवार पर निर्भर रहना पड़ता था। दुर्गेश साहू को पूर्व में भी समाज कल्याण विभाग द्वारा ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन समय के साथ उसके महत्वपूर्ण पार्ट्स खराब हो गए और उनकी मरम्मत संभव नहीं हो पा रही थी। इससे उनकी आवाजाही और आजीविका दोनों प्रभावित हो रही थीं। इसी दौरान उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से सीएम हेल्पलाइन 1076 की जानकारी मिली। उन्होंने हेल्पलाइन पर अपनी समस्या दर्ज कराई, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 15 दिनों के भीतर समाज कल्याण विभाग द्वारा उन्हें नई बैटरी संचालित ट्राइसाइकिल उपलब्ध करा दी गई। नई बैटरी संचालित ट्राइसाइकिल मिलने से अब दुर्गेश साहू को अपने दैनिक कार्यों के साथ-साथ अपनी छोटी सी किराना दुकान के संचालन में भी काफी सुविधा मिलेगी। इससे वे पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर होकर अपना जीवनयापन कर सकेंगे। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग की उप संचालक सिनीवाली गोयल ने दुर्गेश साहू को दिव्यांग जनों के लिए संचालित ऋण योजनाओं मो जानकारी भी दी ताकि उनको अपने व्यवसाय में मदद मिल सके। दुर्गेश साहू के पुत्र रवि कुमार साहू ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि नई ट्राइसाइकिल मिलने से उनके पिता की कई समस्याएं दूर हो गई हैं। अब उन्हें आवागमन के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन 1076 वास्तव में आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने वाला प्रभावी मंच बन चुकी है। दुर्गेश की समस्या का यह त्वरित समाधान सुशासन और संवेदनशील प्रशासन का एक प्रेरक उदाहरण है।

किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में राज्य सरकार प्रतिबद्ध : रामविचार नेताम

धमतरी। छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण, आदिम जाति विकास, जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन तथा पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम ने धमतरी जिले के प्रवास के दौरान कृषि, अनुसंधान एवं कृषक हित से जुड़े विभिन्न संस्थानों और परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कुरूद का भ्रमण कर वहां संचालित शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों का अवलोकन किया तथा जिले के विभिन्न ग्रामों में कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं नवाचार आधारित परियोजनाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को किसानों के हित में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कुरूद पहुंचने पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ नवनीत राणा ने मंत्री नेताम का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान परियोजनाओं, विद्यार्थियों के प्रशिक्षण तथा कृषि नवाचारों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर मंत्री नेताम ने महाविद्यालय के विभिन्न विभागों की आधुनिक प्रयोग शालाओं, स्मार्ट क्लास रूम, डिजिटल लाइब्रेरी, प्रतियोगी परीक्षा फोरम एवं अन्य शैक्षणिक संसाधनों का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्र.छात्राओं से संवाद कर अध्ययन व्यवस्था, शोध गतिविधियों तथा छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने महाविद्यालय एवं छात्रावास में उपलब्ध शैक्षणिक, तकनीकी एवं आधारभूत सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया। मंत्री नेताम ने महाविद्यालय स्थित कृषि संग्रहालय में विद्यार्थियों द्वारा तैयार कृषि मॉडल, वैज्ञानिक प्रदर्शनी तथा मशरूम प्रसंस्कृत उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों की नवाचारपूर्ण सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास भविष्य की आधुनिक, आत्मनिर्भर एवं तकनीक आधारित कृषि व्यवस्था की मजबूत नींव हैं। इस दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त परदेशी सिद्धार्थ कोमल ने महाविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कृषि शिक्षा में नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, कृषि अनुसंधान तथा कृषि क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तकनीकी दक्षता विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

कृषि एवं ग्रामीण आजीविका से जुड़े नवाचारों का किया अवलोकन

धमतरी प्रवास के दौरान मंत्री नेताम ने ग्राम मरोद में बीज प्रसंस्करण इकाई एवं नील.हरित काई उत्पादन का निरीक्षण किया। इसके पश्चात ग्राम चर्रा में मुर्गीपालन एवं बकरी पालन गतिविधियों का अवलोकन कर ग्रामीण आजीविका संवर्धन के प्रयासों की जानकारी ली। ग्राम छाती में मखाना की खेती तथा ग्राम देमार में संजय गांधी पिछा हेचरी का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति एवं लाभान्वित हितग्राहियों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मंत्री नेताम ने जिले के मत्स्यपालकों को मछली बीज ओ भी वितरण किया।

कृषि को तकनीक, अनुसंधान से जोड़ना समय की आवश्यकता : मंत्री नेताम

इस अवसर पर मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय में वृद्धि, कृषि को लाभकारी बनाने तथा युवाओं को कृषि आधारित उद्यमिता से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, जैव प्रौद्योगिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी उन्नत तकनीकों का समावेश कृषि क्षेत्र को नई दिशा देगा। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान एवं शोध को खेतों तक पहुंचाकर किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए किसानों तक आधुनिक तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज, उन्नत कृषि पद्धतियों एवं वैज्ञानिक सलाह को समयबद्ध रूप से पहुंचाया जाए, ताकि कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में निरंतर वृद्धि हो सके। इस अवसर पर संचालक कृषि राहुल देव, कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कुरूद, उपसंचालक कृषि मोनेश साहू, उप संचालक पशुपालन मरकाम, सहायक संचालक उद्यानिकी गीता साहू, सहायक संचालक मछलीपालन कमल कुमार के अलावा कृषि महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, अधिकारी.कर्मचारी, छात्र.छात्राएं तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

4.56 करोड़ के गांजा तस्करी तस्करी मामले में ओडिशा से मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की महासमुंद पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 4.56 करोड़ रुपये की गांजा तस्करी के मुख्य सप्लायर को ओडिशा से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 912.760 किलोग्राम गांजा की इस खेप का मुख्य सप्लायर मिश्रो नायक (28), निवासी कंधमाल (ओडिशा) को 1 जुलाई को बालिगुड़ा से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, 17 अप्रैल 2026 को बसना थाना पुलिस ने पलसापाली बैरियर पर नाकाबंदी के दौरान एक आयशर मालवाहक ट्रक को पकड़ा था। ट्रक में कच्चे केले की आड़ में 29 प्लास्टिक बोरियों में छिपाकर 912.760 किलो गांजा उत्तर प्रदेश भेजा जा रहा था। तस्कर पुलिस को चकमा देने के लिए वाहन पर फर्जी नंबर प्लेट का भी इस्तेमाल कर रहे थे। जांच के दौरान तकनीकी विश्लेषण और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पूरे तस्करी नेटवर्क का खुलासा हुआ। पुलिस ने पहले इस मामले के मास्टरमाइंड विनय शर्मा उर्फ पंडित जी, मुख्य बिचौलिया रामजी ठाकुर, गांजा सप्लायर रमाकांत बेहरा और बबलू नायक तथा वाहन चालक अब्दुल नईम को गिरफ्तार किया था। अब मुख्य सप्लायर मिश्रो नायक की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने तस्करी नेटवर्क की अहम कड़ी भी जोड़ ली है। गांजा तस्करी सिंडिकेट को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया है। मामले में पहले ही 912.760 किलोग्राम गांजा, आयशर मालवाहक वाहन और चार फर्जी नंबर प्लेट जब्त की जा चुकी हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 4 करोड़ 56 लाख। 38 हजार रुपये आंकी गई है। महासमुंद पुलिस का कहना है कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ 'सोर्स से लेकर डेस्टिनेशन तक' कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

शराब दुकान से 7 लाख की चोरी का खुलासा, राजस्थान के 4 बदमाश गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के आमानाका थाना क्षेत्र स्थित सरोना की कम्पोजिट विदेशी शराब दुकान में हुई लाखों रुपये की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और आमानाका थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में राजस्थान के 4 अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामले में एक अन्य आरोपी अब भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक, 14 जून 2026 की सुबह शराब दुकान का ताला टूटा मिला। जांच करने पर पता चला कि चोर दुकान का लॉकर ही उखाड़कर ले गए, जिसमें 7,05,580 रुपये की बिक्री राशि रखी थी। इसके अलावा करीब 10,820 रुपये मूल्य की शराब और सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी चोरी कर लिया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित की। करीब 15 दिनों तक सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया। जांच के दौरान आरोपियों की लोकेशन राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में मिली, जिसके बाद पुलिस टीम ने वहां दबिश देकर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उनके एक साथी ने पहले रायपुर आकर शराब दुकान की रेकी की थी। इसके बाद सभी आरोपी योजना बनाकर चारपहिया वाहन से रायपुर पहुंचे और चोरी की वारदात को अंजाम देकर वापस राजस्थान फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पवन कुमार पाटीकर, प्रकाश मईडा, सुनील चरपोटा और राम सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की नगदी 2 लाख रुपये, वारदात में इस्तेमाल वाहन और 4 मोबाइल फोन समेत करीब 15.50 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया है।

शादी का झांसा देकर रिटायर्ड टेक्नीशियन से 9.50 लाख की ठगी, ओडिशा के 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में शादी का झांसा देकर एक सेवानिवृत्त टेक्नीशियन से 9.50 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और आजाद चौक थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में ओडिशा के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी मनहरण टिकरिहा की पहचान दिल्ली के एक मैरिज ब्यूरो के माध्यम से खुद को कोरबा निवासी और रेलवे इंजीनियर से सेवानिवृत्त बताने वाली रजनी शर्मा नाम की महिला से हुई थी। बातचीत के दौरान महिला ने शादी का भरोसा दिलाया और फिर पारिवारिक कार्यक्रम, दुर्घटना, इलाज समेत विभिन्न बहाने बनाकर अलग-अलग किश्तों में करीब 9.50 लाख रुपये अपने बैंक खातों में जमा करा लिए। रकम मिलने के बाद महिला ने अपना मोबाइल बंद कर दिया। शिकायत मिलने पर आजाद चौक थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 111(1), 3(5) तथा आईटी एक्ट की धारा 66-डी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने मोबाइल नंबरों और बैंक खातों का तकनीकी विश्लेषण किया, जिससे आरोपियों की लोकेशन ओडिशा के बलांगीर जिले में मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने ओडिशा में दबिश देकर जसवंत डुण्डी, मनोज राणा और यश नायक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर ठगी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मामले से संबंधित तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

हत्या के प्रयास मामले में फरार 2 आरोपी गिरफ्तार अन्य आरोपियों की तलाश जारी

रायपुर। राजधानी रायपुर में हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा आजाद चौक थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दोनों आरोपियों को दबोचा गया। मामले में अन्य फरार आरोपियों की तलाश अभी भी जारी है। पुलिस के अनुसार, थाना आजाद चौक में वर्ष 2025 में दर्ज हत्या के प्रयास के प्रकरण में घटना के बाद से कई आरोपी फरार थे। गिरफ्तारी से बचने के लिए वे लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे। लंबित गंभीर मामलों की समीक्षा के दौरान पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) संदीप पटेल के निर्देश पर आरोपियों की तलाश तेज की गई। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और आजाद चौक थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने मुखबिर तंत्र सक्रिय किया, तकनीकी विश्लेषण किया और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी।

अत्याधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का महत्व बढ़ा

चिकित्सा में आधुनिक तकनीक के साथ मानवीय संवेदनाएं भी जरूरी है

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने डॉक्टर्स डे के अवसर पर आज विमतारा भवन में सिक्ख समाज छत्तीसगढ़ एवं जेसीआई रायपुर मेडिको सिटी द्वारा आयोजित अलग-अलग कार्यक्रमों में चिकित्सकों का सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था में अत्याधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का महत्व बढ़ा है, लेकिन रोगी के प्रति मानवीय संवेदनाएं, आत्मीय व्यवहार और नैतिक मूल्यों के साथ की गई चिकित्सा ही समाज का विश्वास मजबूत करती है। राज्यपाल ने कहा कि डॉक्टर का मधुर व्यवहार कई दवाइयों से भी अधिक प्रभावी होता है। मरीज के लिए चिकित्सक भगवान के समान होता है और उसे वास्तविक संतोष तभी मिलता है, जब डॉक्टर स्वयं उसका शारीरिक परीक्षण कर उसकी स्थिति को समझे। उन्होंने कहा कि आधुनिक जांच तकनीकों का अपना महत्व है, लेकिन मरीज का मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से उपचार भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश में विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन फैमिली डॉक्टर अथवा पड़ोस के डॉक्टर की परंपरा धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। इस परंपरा को बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि ऐसे चिकित्सक परिवारों के स्वास्थ्य और विश्वास का महत्वपूर्ण आधार होते हैं। राज्यपाल ने कहा कि 140 करोड़ की आबादी वाले हमारे देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि चिकित्सक इस दिशा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाकर अनेक रोगों की रोकथाम की जा सकती है। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताते हुए कहा कि चिकित्सकों को इस दिशा में विशेष ध्यान देना होगा। मोबाइल और इंटरनेट की बढ़ती लत पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इनका उपयोग केवल आवश्यकता के अनुसार होना चाहिए। एआई अनेक क्षेत्रों में उपयोगी है, लेकिन मानव मस्तिष्क की संवेदनशीलता, विवेक और निर्णय क्षमता का कोई विकल्प नहीं हो सकता। राज्यपाल ने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को सोचनीय बताते हुए कहा कि नशे की लत से ग्रस्त लोगों के साथ सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करते हुए उनका उपचार और पुनर्वास सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने सिक्ख समाज द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं सेवा कार्यों की सराहना भी की। राज्यपाल ने सिक्ख समाज के कार्यक्रम में समाज के चिकित्सकों तथा जेसीआई रायपुर मेडिको सिटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, जेसीआई रायपुर मेडिको सिटी के अध्यक्ष डॉ. निखिल मोती रामानी, सचिव डॉ. अविनाश तिवारी, सिक्ख समाज के अध्यक्ष श्री महेंद्र सिंह छाबड़ा, एम्स रायपुर के निदेशक डॉ. अशोक जिंदल, रिम्स के निदेशक डॉ. कृष्ण कुमार वाधवा, वरिष्ठ चिकित्सक, सिक्ख समाज के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 बनी उम्मीद की किरण-एक सप्ताह में बना आयुष्मान कार्ड..

- हितग्राही ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का जताया आभार

रायपुर/ संवाददाता

शासन की योजनाओं का लाभ समय पर आम नागरिकों तक पहुँचे और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो-मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की इसी सुशासन की सोच को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 लगातार साकार कर रही है। मनेंद्रगढ़ निवासी अभिनव द्विवेदी की कहानी इसका जीवंत उदाहरण है, जहाँ एक शिकायत ने महज़ एक सप्ताह में उनकी चिंता को राहत में बदल दिया। काफी समय से आयुष्मान कार्ड नहीं बनने के कारण अभिनव द्विवेदी शासन की निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा का लाभ नहीं ले पा रहे थे। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बावजूद कार्ड जारी नहीं होने से वे परेशान थे। अंततः उन्होंने अपनी समस्या मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर दर्ज कराई और समाधान की उम्मीद जताई। शिकायत प्राप्त होते ही प्रकरण को स्वास्थ्य विभाग के पास भेजा गया। विभाग ने मामले को प्राथमिकता से लेते हुए आवश्यक परीक्षण एवं कार्रवाई की। लगातार मॉनिटरिंग और त्वरित प्रयासों के परिणामस्वरूप सिर्फ एक सप्ताह के भीतर अभिनव द्विवेदी का आयुष्मान कार्ड बनकर तैयार हो गया। आयुष्मान कार्ड बनने के साथ ही अभिनव अब आयुष्मान भारत योजना के तहत बीमारी की स्थिति में आर्थिक बोझ से भी राहत मिलेगी। शिकायत के निराकरण के बाद मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से जब अभिनव से फीडबैक लिया गया, तो उन्होंने बताया कि उनकी समस्या का पूरी तरह समाधान हो चुका है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें इतनी शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, स्वास्थ्य विभाग तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन वास्तव में आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का भरोसेमंद माध्यम बन चुकी है। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 केवल शिकायत दर्ज करने का मंच नहीं, बल्कि आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और संवेदनशील समाधान का प्रभावी माध्यम है। जिला प्रशासन द्वारा सभी विभागों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और सुशासन की भावना निरंतर सशक्त होती रहे।

कृत्रिम गर्भाधान से पशुधन विकास की मिसाल बना ग्राम पुरी

- कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने उन्नत वत्स प्रदर्शनी का किया अवलोकन, विभागीय नवाचारों की सराहना

रायपुर/ संवाददाता

कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने धमतरी जिले के प्रवास के दौरान पशुधन विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर पशुधन विकास विभाग द्वारा विकासखंड धमतरी के मुख्य ग्राम योजना अंतर्गत ग्राम पुरी स्थित पशु चिकित्सा संस्था मुख्य ग्राम इकाई में उन्नत वत्स प्रदर्शनी कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने इस मौके पर गायों को हरा चारा भी खिलाया । प्रदर्शनी में कृत्रिम गर्भाधान तकनीक से उत्पादित 42 उन्नत वत्सों (एफ-1 से एफ-3 पीढ़ी) का प्रदर्शन किया गया। मंत्री श्री नेताम ने उन्नत नस्ल के इन वत्सों का अवलोकन कर विभाग द्वारा किए जा रहे वैज्ञानिक एवं नवाचार आधारित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से पशुधन की गुणवत्ता में सुधार कर दुग्ध उत्पादन बढ़ाना किसानों और पशुपालकों की आय वृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए पशुपालकों से संवाद किया तथा विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी तथा पशुधन विकास विभाग के संचालक श्री चन्द्रकांत वर्मा, कलेक्टर श्री अविनाश मिश्रा भी उपस्थिति थे। ग्राम की सरपंच श्रीमती कुंती देवदास एवं दुग्ध सहकारी समिति के अध्यक्ष श्री चिरौंजीलाल साहू ने बताया कि ग्राम पुरी में शत-प्रतिशत कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से लगभग प्रत्येक परिवार डेयरी गतिविधियों से जुड़ चुका है। वर्तमान में ग्राम के दुग्ध संकलन केन्द्र में प्रतिदिन 500 लीटर से अधिक दूध का संकलन किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ग्राम पुरी अब वैज्ञानिक पशुपालन एवं डेयरी विकास का प्रेरणादायी मॉडल बनकर उभर रहा है। कार्यक्रम के दौरान कृत्रिम गर्भाधान कार्य में सूचना-तंत्र के रूप में महत्वपूर्ण सहयोग देने वाले ग्राम के चरवाहों को मंत्री श्री नेताम ने गमछा एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।

---

125 दिनों के रोजगार से बढ़ी उम्मीदें

विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन बना ग्रामीणों का नया संबल

- रोजगार अवधि बढ़ने एवं मजदूरी में वृद्धि से ग्रामीण परिवारों को मिलेगा आर्थिक सशक्तिकरण, सुनीता साहू ने जताई खुशी

रायपुर/ संवाददाता

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आजीविका और समग्र विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से प्रारंभ किए गए विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन से गांवों में नई उम्मीद जगी है। इस महत्वाकांक्षी पहल का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाना है। योजना के तहत अब प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को प्रति वित्तीय वर्ष 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों के अकुशल श्रम आधारित रोजगार की गारंटी दी जाएगी। साथ ही मजदूरी दर में भी वृद्धि की गई है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में इजाफा होगा। मुंगेली जिले के ग्राम लिम्हा की सुनीता साहू ने योजना के प्रति प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि रोजगार के दिनों में वृद्धि ग्रामीण परिवारों के लिए बड़ी राहत है। पहले 100 दिनों तक ही रोजगार उपलब्ध होता था, लेकिन अब अतिरिक्त दिनों के रोजगार से परिवार की आय बढ़ेगी और आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में आसानी होगी। उन्होंने बताया कि बढ़ी हुई मजदूरी और अतिरिक्त रोजगार के अवसर से अब परिवार को अधिक आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। इससे बच्चों की शिक्षा, घरेलू आवश्यकताओं और अन्य खर्चों को पूरा करने में भी सहूलियत होगी।

नूतन इस्पात फैक्ट्री में करंट लगने से मजदूर की मौत, दो घायल

रायपुर। रायपुर जिले के धरसींवा विधानसभा क्षेत्र स्थित जरौदा की नूतन इस्पात फैक्ट्री में बड़ा औद्योगिक हादसा हो गया। काम के दौरान करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दो अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में काम के दौरान तीन मजदूर अचानक करंट की चपेट में आ गए। हादसे के बाद उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान अनिल यादव ने दम तोड़ दिया। वहीं, दो अन्य घायल मजदूरों का उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में फैक्ट्री पहुंचे और मुख्य गेट के सामने धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया।

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने

रिक्त पदों की भर्ती और बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के दिए निर्देश

- महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं का गोंडी एवं हल्बी भाषा में होगा व्यापक प्रचार-प्रसार
- बस्तर प्रवास के अनुभवों के आधार पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने ली उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

रायपुर/ संवाददाता

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने मंत्रालय महानदी भवन में महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने तथा जमीनी स्तर पर कार्यों में गति लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार,दोनों विभागों के संचालक सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने हाल ही में बस्तर संभाग के प्रवास तथा केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी से हुई चर्चा के दौरान प्राप्त अनुभवों और सुझावों के आधार पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्थानीय भाषाओं में संवाद अत्यंत आवश्यक है। इस उद्देश्य से बस्तर संभाग में विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार गोंडी एवं हल्बी भाषा में किए जाने के निर्देश दिए गए, ताकि प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं की सटीक जानकारी पहुंच सके। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बस्तर संभाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं पर्यवेक्षक के रिक्त पदों को आवश्यक स्वीकृति प्राप्त कर शीघ्र भरने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने दूरस्थ क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केंद्रों में भवन, पोषण, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष बल दिया। बैठक में उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए सभी जिलों में नियमित मॉनिटरिंग, सतत निरीक्षण और प्रभावी फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने पोषण पुनर्वास केंद्रों (एनआरसी) में भर्ती बच्चों एवं उनकी माताओं को गुणवत्तापूर्ण उपचार, पौष्टिक आहार तथा बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। समीक्षा बैठक के दौरान समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्री ने दिव्यांगजन एवं वृद्धजन कल्याण से संबंधित योजनाओं की प्रगति का आकलन करते हुए बस्तर संभाग में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों के समयबद्ध वितरण, पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने तथा नियमित शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए।उन्होंने सियान गुड़ी (डे-केयर सेंटर) एवं वृद्धाश्रमों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए बेहतर आवास, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सुविधाएं तथा सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक के अंत में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बस्तर संभाग के प्रवास के दौरान यह स्पष्ट रूप से अनुभव हुआ है कि क्षेत्र में विकास और विश्वास का नया वातावरण निर्मित हुआ है। ऐसे में विभाग की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है कि शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना तीव्र गति से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और उसका प्रभाव धरातल पर दिखाई दे।

संपादकीय

पश्चिम एशिया में समझौते पर संकट के बादल

अमेरिका के हवाई हमलों के जवाब में ईरान ने बीते रविवार को बहरीन और कुवैत में कई स्थानों को ड्रोन एवं मिसाइलों से निशाना बनाया।पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त करने को लेकर हुए प्रारंभिक समझौते से यह माना जा रहा था कि क्षेत्र में शांति कायम करने का स्थायी हल निकाल लिया जाएगा और वैश्विक स्तर पर पैदा हुए ऊर्जा संकट से भी राहत मिलेगी। मगर अमेरिका और ईरान के फिर तल्ख होते तेवर से अब इस समझौते पर ही संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिका के हवाई हमलों के जवाब में ईरान ने बीते रविवार को बहरीन और कुवैत में कई स्थानों को ड्रोन एवं मिसाइलों से निशाना बनाया।हालांकि अमेरिका की ओर से कहा जा रहा है कि ताजा घटनाक्रम का द्विपक्षीय बातचीत पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन ईरान ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि उसके क्षेत्र में हमले जारी रहे, तो युद्ध खत्म करने के लिए जारी वार्ता पूरी तरह रोकी जा सकती है। यह विचित्र है कि एक तरफ दोनों देशों ने समझौते को स्थायी रूप से लागू करने के लिए शांति वार्ता को लेकर प्रतिबद्धता जताई है और इस बीच वार-पलटवार का सिलसिला भी जारी है।मौजूदा हालात में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि अमेरिका और ईरान इस समझौते को लेकर वास्तव में गंभीर हैं भी या नहीं? यह आशंका इसलिए गहरा रही है, क्योंकि दोनों देशों की ओर से समझौते के नियमों का पालन करने को लेकर कोई संजीदगी नजर नहीं आती है। हमले और वार्ता दोनों साथ-साथ कैसे चल सकते हैं? और अगर ऐसा होता भी है, तो जाहिर है कि कोई सकारात्मक परिणाम सामने आने की गुंजाइश बेहद कम होगी।अमेरिका के रुख के बाद ईरान की ओर से बहरीन और कुवैत पर ये हमले ऐसे समय हुए, जब अमेरिकी नौसेना की निगरानी में काम करने वाली एक बहुराष्ट्रीय समुद्री संस्था ने बीते शनिवार को कहा कि होर्मुज जलमार्ग में ओमान के पास स्थित एक मार्ग का विस्तार किया जाएगा, ताकि उससे खाड़ी में प्रवेश करने और बाहर जाने वाले पोतों की आवाजाही आसान हो सके। इस कदम से अमेरिका और ईरान के बीच टकराव का एक नया मोर्चा खुल सकता है, क्योंकि ईरान इस महत्त्वपूर्ण जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पर अपना पूरा नियंत्रण बनाए रखना चाहता है।

जब हम प्यार के इजहार की बात करते हैं, तो उसमें सिर्फ आई लव यू शामिल नहीं होता, बल्कि शारीरिक स्तर पर एक-दूसरे को चाहना भी शामिल है। आज के कपल्स फिजिकल लव के एक्सप्रेशन में यानी सेक्सिटंग में बेड से कहीं ज्यादा माहिर हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन की एक प्रसिद्ध स्टडी के अनुसार, लगभग 82 प्रतिशत एडल्ट्स मानते हैं कि वे अपने पार्टनर के साथ नियमित रूप से सेक्सिटंग करते हैं। रिसर्च के मुताबिक, सेक्सिटंग कपल्स के लिए एक डिजिटल फोरप्ले की तरह काम करती है। कई लोग स्वभाव से शर्मीले होते हैं। वे अपनी वाइल्ड फैंटेसीज, अपनी पसंद या नापसंद को खुलकर नहीं बता पाते।

बेड पर खामोश, डिजिटल चैटिंग पर बोल्ड! क्यों बदल रहा है प्यार करने का तरीका?

(नमिता जोशी)

जब आप टेक्स्ट पर अपनी फीलिंग्स या डिजायर्स का इजहार कर रहे होते हैं, तो आपके पास पूरा कंट्रोल होता है। आप एक लाइन लिखते हैं, फिर सोचते हैं, नहीं, यह थोड़ी कम अट्रैक्टिव है। आप उसे मिटाते हैं, एक फायर या विंक वाला इमोजी जोड़ते हैं, थोड़ा और हॉट शब्द ढूंढते है और फिर सेंड करते हैं। कहते है प्यार अंधा होता है, लेकिन आजकल का प्यार अंधा होने के साथ-साथ थोड़ा अंगूठा प्रधान भी हो गया है। वह दौर गया जब दिल और जिस्म की बात जुबान पर आते-आते रुक जाती थी। आज चाहे भावनाओं का इजहार हो या शारीरिक इच्छाओं का, सब कुछ जुबान तक आने से पहले सीधे अंगूठे से होते हुए वॉट्सऐप की स्क्रीन पर टाइप हो जाता है। चौंकिए मत, यह कोई फिल्मी जुमला नहीं, बल्कि इंटरनेट पर मौजूद दर्जनों मनोवैज्ञानिक रिसर्च और समाजशास्त्रीय अध्ययनों का कड़वा या कहें कि मीठा सच है।

अक्सर माना जाता है कि कपल्स जब एक-दूसरे के सबसे करीब होते हैं यानी जब वे बेड पर साथ होते हैं, तब उनके बीच प्यार और शारीरिक आकर्षण का इजहार पूरे परवान पर होगा। लेकिन हकीकत इसके उलट है। आज के दौर के कपल्स बिस्तर पर एक-दूसरे के बगल में लेटे हुए जितने इमोशनली और फिजिकल ब्लॉक महसूस करते हैं, फोन की स्क्रीन पर वे उतने ही बड़े शायर और बोल्ड रोमियो बन जाते हैं। जो बातें या जो फैंटेसीज वे एक-दूसरे की आंखों में आंखें डालकर बेड पर नहीं कह पाते, उन्हें वे इमोजी, सेक्सिटंग और हॉट मैसेजेस के सहारे बड़े धड़ल्ले से लिख भेजते हैं।

ऑनलाइन रहता है कंट्रोल – दरअसल जब आप आमने-सामने होते हैं, तो जो मुंह से निकल गया, सो निकल गया। उसे आप डिलीट या एडिट नहीं कर सकते। बेड पर रोमांटिक या हॉट होने के चक्कर में कई बार मुंह से कोई ऐसी अजीब बात निकल जाती है कि पूरे मूड का ही बंटाधार हो जाता है। इसके उलट, जब आप टेक्स्ट पर अपनी फीलिंग्स या डिजायर्स का इजहार कर रहे होते हैं, तो आपके पास पूरा कंट्रोल होता है। आप एक लाइन लिखते हैं, फिर सोचते हैं, नहीं, यह थोड़ी कम अट्रैक्टिव है। आप उसे मिटाते हैं, एक फायर या विंक वाला इमोजी जोड़ते हैं, थोड़ा और हॉट शब्द ढूंढते हैं और फिर सेंड करते हैं। यानी आप अपनी कामुकता और प्यार का बेस्ट, सबसे पॉलिश्ड वर्जन सामने वाले को परोसते हैं। यह एडिटिंग की सुविधा बिस्तर पर उपलब्ध नहीं होती। वहां तो जो है, सो ऑन-एयर लाइव है!

तो आखिर ऐसा क्यों है कि बेडरूम की असली गर्माहट पर स्मार्टफोन की डिजिटल स्क्रीन भारी पड़ रही है? आइए, विज्ञान और रोजमर्रा के जीवन के चश्मे से इस डिजिटल लव-लाइफ का पूरा पोस्टमार्टम करते हैं। मनोविज्ञान में एक बेहद मशहूर टर्म है ऑनलाइन डिसिनिहेशन इफेक्ट आसान भाषा में कहें तो, जब हमारे और सामने वाले के बीच एक कांच की स्क्रीन आ

जाती है, तो हमारे अंदर की झिझक, डर, शर्म और लोक-लाज अचानक गायब हो जाती है।

डिजिटल स्क्रीन इंसानों के लिए सुरक्षा कवच – डिजिटल स्क्रीन इंसानों के लिए एक सुरक्षा कवच का काम करती है। बिस्तर पर जब दो लोग साथ होते हैं, तो वहां आई कॉन्टैक्ट और शारीरिक मौजूदगी होती है। सामने वाले के चेहरे के हाव-भाव, उसकी सांसें एक तरह का अदृश्य दबाव बनाती हैं। हमें डर होता है कि अगर हमने अपने दिल की कोई गहरी बात कही या अपनी कोई शारीरिक इच्छा जताई, तो पार्टनर का तुरंत रिएक्शन क्या होगा ? कहीं वह हमें जज न करने लगे? कहीं वह रिजेक्ट न कर दे? लेकिन फोन पर आपके पास एक अदृश्य ढाल होती है। इस विषय पर जर्नल ऑफ कंप्यूटर-मीडिएटेड में छपी एक रिसर्च साफ बताती है कि टेक्स्टिंग या सेक्सिटंग कपल्स को अपनी असुरक्षा को छिपाने में मदद करती है। जो बातें वे बेड पर आमने-सामने बैठकर झिझकने के कारण नहीं बोल पाते, उन्हें वे स्क्रीन के पीछे छिपकर आसानी से लिख देते हैं।

क्या कहती है रिसर्च – जब हम प्यार के इजहार की बात करते हैं, तो उसमें सिर्फ आई लव यू शामिल नहीं होता, बल्कि शारीरिक स्तर पर एक-दूसरे को चाहना भी शामिल है। आज के कपल्स फिजिकल लव के एक्सप्रेशन में यानी सेक्सिटंग में बेड से कहीं ज्यादा माहिर हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन की एक प्रसिद्ध स्टडी के अनुसार, लगभग 82 प्रतिशत एडल्ट्स मानते हैं कि वे अपने पार्टनर के साथ नियमित रूप से सेक्सिटंग करते हैं। रिसर्च के मुताबिक, सेक्सिटंग कपल्स के लिए एक डिजिटल फोरप्ले की तरह काम करती है। कई लोग स्वभाव से शर्मीले होते हैं। वे अपनी वाइल्ड फैंटेसीज, अपनी पसंद या नापसंद को खुलकर नहीं बता पाते।

उन्हें लगता है कि सीधे मुंह ऐसी बातें बोलना उनके पार्टनर को अजीब लग सकता है। लेकिन टेक्स्ट मैसेज पर वे अचानक बोल्ड हो जाते हैं। फोन पर वे अपनी हर दबी हुई शारीरिक इच्छा को बिना किसी हिचक के शब्दों में पिरो देते हैं। यह जो टेक्स्ट पर फिजिकल लव का खुलकर इजहार है, वह बेडरूम की पारंपरिक झिझक को तोड़ देता है। लोग स्क्रीन पर जितने सेक्शुअली एक्सप्रेसिव हैं, बेड पर लाइट ऑफ होते ही उतने ही पारंपरिक या शांत हो जाते हैं। कई बार लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में एक दूसरे पर इम्प्रेशन झाड़ने के लिए सेक्सिटंग करते हैं, भले ही सामने आने पर उनकी बत्ती गुल क्यों न हो जाए। जो लोग सीधे मुंह दो सीधे शब्द नहीं बोल पाते, वे टेक्स्ट पर कामदेव बन जाते हैं। इसके पीछे काम करता है प्रसिद्ध समाजशास्त्री वाल्थर द्वारा दिया गया हाइपरपर्सनल मॉडल। यह थ्योरी बताती है कि टेक्स्ट या डिजिटल मीडिया पर हम खुद को ज्यादा बेहतर, आकर्षक, सिडक्टिव और परफेक्ट तरीके से पेश कर सकते हैं।

इस डिजिटल रोमांस पर कॉर्नेल यूनिवर्सिटी ने एक बेहद दिलचस्प स्टडी की है। मशहूर शोधकर्ता जेफ्री हैनकॉक के अनुसार, डिजिटल मीडिया पर मेसेज भेजते वक्त लोग अक्सर आमने-सामने की तुलना में अधिक गहरी और हाइपर-पर्सनल बातचीत करते हैं। इसका कारण यह है कि लिखते समय हमारे पास सोचने, समझने और सही शब्दों को चुनने का पर्याप्त समय होता है जिसे रिफ्लेक्शन टाइम कहते हैं। बिस्तर पर लेटे हुए अक्सर कपल्स के बीच एक अजीब-सा सन्नाटा पसर जाता है। दिनभर के काम की थकान, ऑफिस का स्ट्रेस और घरेलू चिंताएं दिमाग में बैकग्राउंड म्यूज़िक की तरह बज रही होती हैं।

ऐसे में फिजिकल होने का मूड बनाना भी एक भारी काम लगने लगता है। लेकिन फोन की दुनिया रंग-बिरंगी है। वहां अगर आपके पास शब्द नहीं भी हैं, तो भी आपके पास हॉट जीआईएफ ,डर्टी टॉक्स, विडियोज और इमोजी की पूरी बारात है। कपल्स को लगता है कि टेक्स्ट पर इन विजुअल्स का इस्तेमाल करके वे अपने बीच की शारीरिक और मानसिक दूरी को ज्यादा मसालेदार तरीके से पाट पाते हैं।

एक और कड़वा सच यह है कि बेडरूम में कपल्स के ऊपर बॉडी इमेज और परफॉर्मेंस का एक अनकहा शारीरिक दबाव होता है। पेट थोड़ा बाहर निकला है, बाल बिखरे हुए हैं, चेहरे पर थकान है या स्ट्रेस के कारण मूड नहीं बन रहा, ये सब चीजें इंसान को अपने ही शरीर को लेकर कॉन्शस कर देती हैं। जब आप खुद को लेकर पूरी तरह कॉन्फिडेंट नहीं होते, तो आप बेड पर खुलकर न तो प्यार जता पाते हैं और न ही शारीरिक रूप से पूरी तरह इंवॉल्व हो पाते हैं।

दूसरी ओर, जब आप ऑफिस की कैब में बैठे हों, या घर के किसी दूसरे कोने में हों, तब आप कैसे दिख रहे हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप सब्ज़ी के दाग़ लगे टी शर्ट पहने हुए भी दुनिया के सबसे सिडक्टिव और रोमांटिक इंसान की तरह टेक्स्ट टाइप कर सकते हैं। वहां सिर्फ आपकी कल्पनाएं और भावनाएं यात्रा करती है, आपका असल शरीर नहीं। इसलिए, शरीर के बंधनों और कमियों से मुक्त होकर कल्पनाओं का वो अंगूठा ज्यादा बेहतर तरीके से फिजिकल लव एक्सप्रेस कर पाता है।

लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू भी है, जिसे नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता। इस डिजिटल परफेक्शन के चक्कर में कहीं हम अपनी असल दुनिया की शारीरिक और मानसिक अंतरंगता को खो तो नहीं रहे? मेसेज पर इंटरनेट के वाइल्ड लवर बन जाना और बेड पर आते ही स्मार्टफोन की स्क्रीन स्क्रॉल करने लगना, यह आधुनिक रिश्तों की एक बड़ी विडंबना बन चुका है। स्क्रीन पर होने वाली सेक्सिटंग और प्यार बेशक खूबसूरत, उत्तेजक और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है, लेकिन जब तक वह बोल्डनेस फोन से बाहर निकलकर बेड पर एक-दूसरे को छूने, आंखों में देखने और असल जिंदगी में बिना झिझक के अपनी इच्छाएं पूरी करने में नहीं बदलेगी, तब तक रिश्ता सिर्फ एक डिजिटल भ्रम ही रहेगा। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

अयोध्या से एनजीओ फंडिंग तक- एक हफ्ते की सियासत में कैसे बदलते रहे मुद्दे?

(सुधीश पचौरी)

राम मंदिर चढ़ावा विवाद, एनजीओ फंडिंग, पासपोर्ट, महाराष्ट्र, पंजाब, मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार से जुड़े घटनाक्रमों के बीच सियासत और विमर्श पर टिप्पणी।अमेरिकी-ईरानी 'डील' में इजराइल 'आउट'। फिर एक दिन 'पुष्पा' वाला संवाद तमिल राजनीति में छाया दिखा। एक दिन द्रमुक के एक नेता ने अपनी गर्दन के नीचे पुष्पा की तरह हाथ फिराकर कहा कि 'अपुन झुकने का नहीं', तो जवाब में तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने इसी तरह गर्दन के नीचे हाथ फिराकर कहा, 'अपुन भी झुकने का नहींज।'

अब इसके बाद ऑपरेशन टाइगर। उद्धव पक्ष के छह सांसद 'असली शिवसेना' में शामिल और अमित शाह का तंज- अब सिर्फ एक ही शिवसेना हैज। फिर एक दिन बंगाल में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा 'सुहरावर्दी लेन' का नाम 'गोपाल पाठा लेन' करने की खबर। और विपक्ष का विलाप कि भगवाकरण किया जा रहा है।फिर एक चैनल पर प्रधानमंत्री का संबोधन कि हमारा मंत्र है- 'देश प्रथम'। कश्मीर में लगता था कि कुछ नहीं हो सकता। हमने करके दिखाया नक्सलवाद आखिरी सांसें ले रहा है। बारह वर्ष में भारत की निराशा को आशा में बदला। लोग अपेक्षा किससे करेंगे? जो करेगा, उसी से करेंगे। इसके बाद सभागार में देर तक 'मोदी-मोदी, मोदी-मोदी' होता रहा।

इसी बीच विदेश मंत्रालय द्वारा 'एनजीओ फंडिंग' को लेकर कुछ नई शर्तें लगाना और इसके बाद गैर-सरकारी संगठन खड्गहस्त दिखे। फिर आई राम मंदिर की 'चंदा चोरी' को लेकर बैठाई गई 'एसआईटी' की रिपोर्ट और बहसों में विपक्ष की मांग कि सीबीआई जांच करती या न्यायालय जांच करता, तो बेहतर होता'एसआईटी' तो किसी को बचाने, किसी को फंसाने के लिए बनाई गई है। जबकि सत्ता पक्ष कहता रहा कि किसी को नहीं बख्शा जाएगा। शाम तक कई चैनल बताने लगे कि एसआईटी की रिपोर्ट में बताए गए आठ आरोपियों पर एफआईआरज मालूम हुआ कि ये सब चंदे-चढ़ावे को गिनकर बैंक में जमा करने का काम करते थे।

उधर, विपक्ष कहता रहा कि बड़ी मछलियां छोड़ दी गई हैं, सिर्फ छोटी मछलियां पकड़ी गई हैं। हर बहस में चंदे-चढ़ावे का प्रबंधन करने वाले प्रमुख चंपत राय तथा कुछ अन्य बड़े नाम आते रहे। कई एंकर और चर्चक तक कहते रहे कि यह कैसे हो सकता है कि नीचे के लोग चोरी करते रहें और ऊपर वालों को खबर ही न हो।एक विपक्षी ने कहा भी कि आरोपियों में चंपत राय का नाम क्यों नहीं है? कांग्रेस ने मांग की कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच होनी चाहिएज मौजूदा ट्रस्ट को भंग करें। बहसों में इसे 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जाने लगा और कई कहते रहे कि अगर जांच में 'दूध का दूध और पानी का पानी' न हुआ, तो इसका असर सत्तादल की साख पर पड़ सकता है। इसी क्रम में एक चैनल पर मंदिर निर्माण के प्रमुख नृपेंद्र मिश्र तक ने कह दिया कि चंदे जैसी व्यवस्था ही नहीं थी। यह मंदिर की प्रबंधन प्रणाली पर बड़ा धब्बा है। इसके बाद 'लव, शव और धोखा' वाली एक भयावह कहानी सामने आई। अब तक की कहानी के अनुसार, शादी से कुछ दिन पहले एक युवती ने अपने मंगेतर को 'निपटाने' की कोशिश की, लेकिन कामयाब न हुई। आरोप है कि अगली बार 'लौहगढ़' जाकर रील बनाने के बहाने अपने प्रेमी के जरिए उसने मंगेतर को धक्का देकर चार सौ फुट गहरी खाई में गिरवा दिया। इसके बाद भी आरोपी युवती इंस्टाग्राम पर मंगेतर को लेकर भावुकता भरी पोस्ट डालती रही कि 'तुम मेरे जन्मदिन पर मुझे यूं ही छोड़कर चले गएज।'

इसके बाद सिख धर्म की 'बेअदबी' मामले में दो-दो वीडियो आए और आरोप लगा कि 'बेअदबी' के 'दोषी' पंजाब के मुख्यमंत्री मान हैं। आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता कहते रहे कि यह आरोप उन्हें फंसाने की साजिश हैज। फिर बहसें विवाद की राजनीति पर आ गईं और कुछ कहते रहे कि यह सारा विवाद पंजाब के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए किया जा रहा है।

फिर शुरू हुई जातिवाद की 'तिरछी' राजनीति। एक दिन मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के कथित जमीन घोटाले को लेकर जैसे ही खबर आई, वैसे ही विपक्ष के कुछ नेता भाजपा को 'भ्रष्टाचारी' बताकर कूदने लगे। इसके बाद विदेश मंत्रालय का स्पष्टीकरण आया कि पासपोर्ट नागरिकता का अधिकार नहीं देताज विपक्ष के एक हिस्से ने इसे तुरंत पकड़ा कि यह 'एनआरसी' लाने का बहाना हैज कि एक झटके में जनता की नागरिकता छीन ली जाएगी।

दूसरी ओर, मुहर्रम पर उज्जैन में आतंकवादी हमले से बचने के अभ्यास के वीडियो ने कई लोगों को झकझोर दिया। एक एंकर ने साफ कहा कि 'क्रेन' पर कार को चालीस फुट ऊंचाई पर ले जाकर टांगा गया। उस पर खड़े कुछ युवाओं ने 'वी हैव अराइव्ड' (हम आ गए हैं) के नारे वाले झंडे फहराएज फिर विस्फोट किया और कार देर तक जलती रही।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी ने एक सभा में आलोचकों से कहा कि 'एसआईटी' की रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हुई है। दूध का दूध, पानी का पानी होगाज अयोध्या को बदनाम न करें।

सीमाओं की सुरक्षा से विकसित भारत तक- रक्षा और अर्थव्यवस्था का नया समीकरण

लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि शांति के समय भारत अपने परमाणु हथियारों को तैनात 'लांचर' से अलग रखता है। हालिया कदमों से संकेत मिलता है कि भारत शांति के समय में भी अपने कुछ हथियारों को 'लांचर' के साथ जोड़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारतीय युद्धपोत, पनडुब्बी और दूसरे हथियारों में परमाणु हथियार हमेशा तैनात रहते हैं। वस्तुतः चीन और पाकिस्तान के खतरे को देखते हुए रक्षा तैयारी रणनीति के तहत यह एक असाधारण बदलाव है। वैश्विक अर्थव्यवस्था और रक्षा व्यय से संबंधित ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में भारत रणनीतिक रूप से आर्थिक मजबूती के साथ रक्षा व्यय बढ़ाने वाले प्रमुख देश के रूप में उभर रहा है।

(जयंती लाल भंडारी)

वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता, चीन-पाकिस्तान की बढ़ती चुनौतियों और बदलते सुरक्षा परिदृश्य के बीच भारत को आर्थिक विकास के साथ रक्षा क्षमता को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाना होगा। दुनिया में अस्थिरता के साथ रक्षा संबंधी चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। इसके मद्देनजर भारत को भी तेज विकास के साथ बहुआयामी स्तर पर रक्षा के मोर्चे मजबूत करने होंगे। हाल ही में प्रधानमंत्री ने देश में निर्मित तीन नौसैनिक जहाजों को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा कि देश में शांति और विकास के लिए सुरक्षा मजबूत करना आवश्यक है। हालांकि, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और कुछ पड़ोसी देशों से मिल रही चुनौतियों के बीच दुनिया में भारत के प्रति आर्थिक भरोसा बढ़ रहा है। यहां विदेशी निवेश बढ़ रहा है और नए व्यापार समझौते आकार ले रहे हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। ऐसे समय में अब भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ आधुनिक रक्षा प्रणाली के मामलेमें भी खुद को सुदृढ़ करना होगा।

इस परिप्रेक्ष्य में हाल में जारी दो रिपोर्ट उल्लेखनीय हैं। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर 6.6 फीसद होगी और उभरते हुए देशों में भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। दूसरी ओर दुनिया में हथियारों पर नजर रखने वाली ग्लोबल संस्था 'स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' (सिपरी) की परमाणु हथियारों पर नजर रखने वाली रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत परमाणु हथियार के मोर्चे पर बहुत तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रक्षा बजट के मामले में भारत दुनिया में पांचवें क्रम पर है। जनवरी 2026 तक भारत के पास कुल 190 परमाणु हथियार थे। इनमें से बारह परमाणु बमों को मिसाइल, पनडुब्बी और लड़ाकू विमानों के साथ जोड़ दिया गया है। साथ ही उन्हें संचालन अड्डे पर तैनात किया गया है। स्पष्ट है कि परमाणु हथियारों को अलग रखने की भारत की दशकों पुरानी नीति अब बदल गई है।

लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि शांति के समय भारत अपने परमाणु हथियारों को तैनात 'लांचर' से अलग रखता है। हालिया कदमों से संकेत मिलता है कि भारत शांति के समय में भी अपने कुछ हथियारों को 'लांचर' के साथ जोड़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारतीय युद्धपोत, पनडुब्बी और दूसरे हथियारों में परमाणु हथियार हमेशा तैनात रहते हैं। वस्तुत: चीन और पाकिस्तान के खतरे को देखते हुए रक्षा तैयारी रणनीति के तहत यह एक असाधारण बदलाव है। वैश्विक अर्थव्यवस्था और रक्षा व्यय से संबंधित ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में भारत रणनीतिक रूप से आर्थिक मजबूती के साथ रक्षा व्यय बढ़ाने वाले प्रमुख देश के रूप में उभर रहा है। निश्चित रूप से ऐसे समय में जब देश की सीमाएं भू-राजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर पहले से अधिक असुरक्षित और संवेदनशील हो गई हैं, तब भारत को न केवल दुनिया की आर्थिक शक्ति, बल्कि उन्नत परमाणु हथियारों से सुसज्जित सैन्य शक्ति बनने की जरूरत दिखाई दे रही है। स्पष्ट है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तान आधुनिक चीनी हथियारों से भारत में घुसपैठ को बढ़ावा दे रहा है। इन दिनों ईरान-अमेरिका के बीच मध्यस्थता प्रयासों से उसकी निकटता बढ़ी है। चीन की ओर से भी सीमा पर भारत के संप्रभु इलाकों में चुनौती देने वाली गतिविधियां बढ़ी हैं। यह चिंता की बात है कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी और विशेष रूप से काराकोरम दर्रे के पास भी चुनौतियां पैदा कर रहा है। पिछले दिनों उसने शरारत पूर्ण तरीके से अक्साई चीन में नया 'प्रशासनिक क्षेत्र' बनाया है। चीन हिंद महासागर में 'स्ट्रिंग आफ पर्ल्स' नीति के जरिए भी भारत को चुनौती दे रहा है। पिछले वर्ष पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देने के मद्देनजर जब 'आपरेशन सिंदूर' चलाया गया था, तब पाकिस्तान का साथ देने के लिए चीन, तुर्किये और अजरबैजान का खतरनाक गठजोड़ सामने आया था। चीन ने पाकिस्तान को उपग्रह के जरिए खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई थी। अब पाकिस्तान द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं उसने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता भी किया है।

पिछले दिनों अमेरिकी खुफिया संस्थान की 'एनुअल थ्रेट असेसमेंट' रिपोर्ट 2026 में कहा गया है कि इस समय पाकिस्तान द्वारा किया जा रहा परमाणु और पारंपरिक हथियारों का विस्तार भारत सहित दक्षिण एशिया के लिए बड़ा खतरा बन गया है। मगर आर्थिक और रक्षा विकास की नई रणनीति के तहत भारत आर्थिक और सामरिक रूप से मजबूती आगे बढ़ रहा है। भारत ने आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। पूरी दुनिया ने देखा है कि पिछले वर्ष आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। वस्तुत:-सैन्य अभियान के तहत भारत ने एआइ के उपयोग से पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर मिसाल पेश की है। तेज आर्थिक विकास के साथ युद्ध के लिए अर्थव्यवस्था को तैयार करने और मजबूत सैन्य शक्ति बनने के लिए भारत को रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ना होगा।

इस समय मजबूत घरेलू बाजार, पूंजीगत व्यय, रेकार्ड खाद्यान्न उत्पादन और विदेशी मुद्रा भंडार देश की शक्ति है। साथ ही ये सभी कारक भारत को बाहरी आर्थिक झटकों से बचा रहे हैं। मगर अभी देश को तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने के लिए रफ्तार से बढ़ना होगा। युवाओं को देश की शक्ति बनाना होगा। हमें युद्ध पर आधारित ऐसी मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में भी तैयार होना होगा, जहां जरूरत पड़ने पर तेजी से औद्योगिक और तकनीकी क्षमता का इस्तेमाल करते हुए युद्ध सामग्री का निर्माण हो सके। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र से रक्षा इकाइयों को तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों के साथ जोड़ कर सैन्य साजो-सामान को अत्याधुनिक बनाने में भी तेजी से आगे बढ़ना होगा। देश में साइबर और सूचना क्षमताओं का विस्तार करना होगा। क्योंकि अब युद्ध केवल सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि ये आधुनिक चिप से निर्मित मिसाइलों व उन्नत ड्रोन के इस्तेमाल से हवा, समुद्र तथा अंतरिक्ष में भी लड़े जाते हैं। भारत को हाइपरसोनिक मिसाइलों के साथ एआइ की नई क्षमताओं के साथ आगे बढ़ना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में भारत की हाल की उपलब्धियां दुनिया भर में रेखांकित की जा रही हैं। इस उपलब्धि के साथ भारत रूस के बाद व्यावसायिक 'फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' संचालित करने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। इससे देश दुनिया की परमाणु महाशक्ति के रूप में उभरेगा। भारत ने पिछले एक दशक में रक्षा उपकरणों के सबसे बड़े आयातक से निर्यातक के रूप में खुद को बदला है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में 38424 करोड़ रुपए का रेकार्ड रक्षा निर्यात किया है। मगर अभी भी रक्षा मजबूती के लिए मीलों चलना बाकी है। 'मेक-इन-इंडिया' के तहत आधुनिक हथियारों का मजबूती से स्वदेशीकरण होगा। भारत को सैन्य साजो-सामान के आधुनिकीकरण के साथ साइबर तकनीक और आधुनिक मिसाइलों से सुसज्जित होना होगा। उम्मीद है देश आर्थिक विकास के साथ परमाणु हथियार मोर्चे पर भी तेजी से आगे बढ़ेगा।

वीबी जीरामजी प्रदेश में लागू, इस योजना में ग्रामीण क्षेत्र की और गांव के छोटी - छोटी मांगों को पूरा करने का लक्ष्य-जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप

वीबी जीरामजी योजना के तहत ग्रामीण श्रमिकों को 125 दिन की रोजगार और मजदूरी दर 261 से बढ़कर हुई 300 रुपए प्रतिदिन

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री का वर्चुअल कार्यक्रम में शामिल हुए जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ

जगदलपुर। भारत सरकार द्वारा विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत अकुशल श्रमिकों के लिए नई मजदूरी दरें अधिसूचित की गई हैं। नई दरें 1 जुलाई 2026 से प्रभावी हो गई हैं। 2 जुलाई गुरुवार को तिरुपति, आंध्र प्रदेश से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस वर्चुअल कार्यक्रम में और जिला स्तरीय कार्यक्रम जगदलपुर के टाउन हॉल में आयोजित किया गया जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी, कलेक्टर आकाश छिकारा, जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन, जिला पंचायत सदस्य, तोकापाल और दरभा पंचायत के अध्यक्ष भी शामिल हुए। नई व्यवस्था के तहत छत्तीसगढ़ में ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी दर को 261 रुपए प्रतिदिन से बढ़ाकर 300 रुपए प्रतिदिन कर दिया गया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों को आर्थिक लाभ मिलेगा तथा ग्रामीण आजीविका को और मजबूती मिलेगी।भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के लिए संशोधित मजदूरी दर निर्धारित की गई है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना में ग्रामीण क्षेत्र की और गांव के छोटी छोटी मांगों को पूरा करने का लक्ष्य है इसमें सड़क, तालाब, स्कूल जैसी आवश्यकता वाले कार्यों को ग्राम सभाओं में पारित कर सके। गांव के विकास के साथ-साथ प्रदेश का विकास किया जाना है।यह योजना केवल रोजगार उपलब्ध कराने की योजना नहीं है, बल्कि विकसित भारत 2047 के संकल्प को ग्राम स्तर तक साकार करने का एक व्यापक अभियान है। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को प्रति वित्तीय वर्ष 125 दिनों के गारंटीकृत रोजगार का प्रावधान किया गया है, जिससे आजीविका सुरक्षा के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करने के उद्देश्य से मजदूरी भत्ता 300 रुपये प्रतिदिवस किया गया है। वीबी जीरामजी के माध्यम से जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत संरचना, आजीविका संवर्धन एवं टिकाऊ विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि प्रत्येक ग्राम पंचायत आत्मनिर्भर और समृद्ध बन सके। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को वर्ष में 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी, 15 दिवस के भीतर मजदूरी भुगतान, बेरोजगारी भत्ता, डिजिटल जॉब कार्ड एवं तकनीक आधारित कार्य प्रबंधन प्रणाली, समयबद्ध एवं पारदर्शी भुगतान व्यवस्था प्राप्त होगी। वीबी जीरामजी में जल संरक्षण, सिंचाई, ग्रामीण सड़क, वृक्षारोपण एवं टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण के साथ ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल विकास एवं आजीविका पर जोर दिया गया है। अब ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की कार्ययोजना ग्राम सभा के माध्यम से तैयार की जाएगी, जिससे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यों का चयन किया जा सकेगा। इस योजना के संबंध में जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन ने बताया कि यह महत्वाकांक्षी योजना वास्तव में महात्मा गांधी नरेगा योजना का ही एक अत्यंत परिष्कृत, उन्नत और तकनीकी रूप है, जो ग्रामीण परिदृश्य को पूरी तरह से बदलने की क्षमता रखती है। इस योजना के तहत न केवल रोजगार के अवसरों में अभूतपूर्व विस्तार किया गया है,बल्कि श्रमिकों के आर्थिक कल्याण और सामाजिक सुरक्षा को भी सर्वोपरि रखा गया है। इस नई व्यवस्था के तहत रोजगार की गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर अब 125 दिन कर दिया गया है, जो ग्रामीण परिवारों को अधिक स्थिरता प्रदान करेगा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य के लिए मजदूरी की दर में भी एक ऐतिहासिक बढ़ोतरी की गई है, जिसके तहत पूर्व में मिलने वाली 261 रूपए की मजदूरी को 10 प्रतिशत से भी अधिक बढ़ाते हुए अब 300 रूपए प्रतिदिन तय कर दिया गया है। श्रमिकों के हितों का ध्यान रखते हुए इसमें यह प्रावधान भी जोड़ा गया है कि यदि किसी भी व्यक्ति को उसके निवास स्थान से 5 किलोमीटर की परिधि से बाहर कार्य दिया जाता है, तो उसे मिलने वाली राशि में 10 प्रतिशत का अतिरिक्त भत्ता शामिल किया जाएगा। इस योजना की सबसे अनूठी बात इसका श्स्पेशल इंक्लूजन मैट्रिक्स है, जिसके अंतर्गत समाज के सबसे कमजोर और संवेदनशील वर्गों जैसे एकल महिलाओं, दिव्यांगजनों, 60 वर्ष से अधिक उम्र के वृद्धजनों, ट्रांसजेंडर समुदाय, बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराए गए लोगों तथा पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों) को काम देने में विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। अब पुराने पारंपरिक जॉब कार्ड के स्थान पर एक नया सुरक्षा फीचर्स से लैस ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी होगा, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का एक विशिष्ट पॉलिसी नंबर दर्ज होगा, जिसके जरिए उन्हें आवश्यक बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मुहैया कराए जाएंगे।

37 बंद स्कूल फिर से खुले, अब गांव के बच्चों को घर के पास मिलेगी पढ़ाई

नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर किया स्वागत; मेधावी छात्र और शिक्षक भी सम्मानित

बीजापुर। जिले में शत-प्रतिशत नामांकन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को एजुकेशन सिटी में जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद महेश कश्यप ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, पुष्प भेंट कर और अध्ययन सामग्री देकर आत्मीय स्वागत किया।

बच्चों को नवीन गणवेश, स्कूल बैग और अन्य शैक्षणिक सामग्री भी वितरित की गई।कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लंबे समय से बंद पड़े 37 विद्यालयों का दोबारा संचालन रहा। सांसद महेश कश्यप ने इन विद्यालयों का शुभारंभ करते हुए कहा कि अब दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों के बच्चों को अपने गांव के पास ही पढ़ाई का अवसर मिलेगा। इससे स्कूल छोड़ चुके बच्चों को भी दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज और राष्ट्र के विकास की मजबूत नींव है। केंद्र और राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। बंद स्कूलों का दोबारा शुरू होना बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को नियमित स्कूल भेजने और शिक्षकों से पूरी निष्ठा के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का आह्वान किया।जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे ने कहा कि जिला प्रशासन प्रत्येक बच्चे को शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने बालिका शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए अभिभावकों से सभी बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने की अपील की।कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, नगर पालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पुलैया पेरे, नगर पालिका उपाध्यक्ष भुवन सिंह चौहान, जनपद पंचायत अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं, पालक और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

शाला प्रवेशोत्सव की खास बातें

- जिले के 37 बंद विद्यालयों का दोबारा संचालन शुरू। नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर और अध्ययन सामग्री देकर स्वागत।

फिशरी सेंटर बनेगा ट्रेनिंग हब, किसानों को सिखाई जाएगी आधुनिक तकनीक

कृषि मंत्री ने तीन जिलों की योजनाओं की समीक्षा की

बीजापुर। बस्तर संभाग में खेती और मत्स्य पालन को आय का मजबूत जरिया बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। गुरुवार को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा जिले की कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य पालन विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने बीजापुर के मत्स्य पालन केंद्र का निरीक्षण कर इसे आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। बैठक में बस्तर सांसद महेश कश्यप भी मौजूद रहे। मंत्री ने कहा कि बीजापुर का मत्स्य पालन केंद्र केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे किसानों के प्रशिक्षण का मॉडल सेंटर बनाया जाएगा। यहां आसपास के किसानों को मत्स्य पालन की आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे स्वरोजगार से जुड़ सकें और उनकी आय बढ़ सके। लगभग 1.50 करोड़ रुपए की लागत से तैयार इस केंद्र को आधुनिक सुविधाओं से विकसित करने पर भी जोर दिया गया। समीक्षा बैठक में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, नलकूप निर्माण, मक्का, हल्दी, कोदो-कुटकी, दलहन, तिलहन और गन्ने जैसी फसलों के उत्पादन बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई। बीजापुर में मक्का उत्पादन में हुई वृद्धि की सराहना करते हुए किसानों को आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। दंतेवाड़ा में सफल जैविक खेती मॉडल को बस्तर संभाग के अन्य जिलों में भी लागू करने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से कोई भी पात्र किसान वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी किसानों की फार्मर आईडी तैयार करने और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों तक भी योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान टीकाकरण, मोबाइल वेटनरी यूनिट, राष्ट्रीय गोकुल मिशन, बकरी और सूकर पालन योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। वहीं मत्स्य पालन विभाग में हैचरी विस्तार, मछली एवं झींगा पालन, किसान क्रेडिट कार्ड और अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को तय समय-सीमा में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।

धारदार धारदार लोहे का तलवार लहराते हुए एक आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। आरोपी द्वारा जमीन सीमांकन के दौरान धारदार लोहे का तलवार लहराकर आम लोगो को डरा धमकाकर रहा था। थाना नगरनार अंतर्गत ग्राम मारकेल शिवनागुड़ापारा की घटना। गिरफ्तार आरोपी का नाम - विश्वकर्मा कश्यप पिता स्व0 महादेव कश्यप जाति भतरा उम्र 55 वर्ष निवासी मारकेल शिवनागुड़ापारा थाना नगरनार जिला बस्तर छ0ग0 थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने एवं आसामाजिक तत्व के लोगो पर कार्यवाही करने पुलिस अधीक्षक महोदय शलभ कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग के दिशा निर्देश एवं नगर पुलिस अधीक्षक महोदय सुमीत कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीम गठित किया गया। ग्राम मारकेल शिवनागुड़ापारा में जमीन सीमांकन के दौरान आरोपी विश्वकर्मा कश्यप पिता स्व0 महादेव कश्यप निवासी मारकेल शिवनागुड़ापारा द्वारा धारदार लोहे का तलवार लहराकर आम लोगो को डरा धमकाकर भयभीत कर गांव का माहौल खराब कर रहा था जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया एवं आरोपी के कब्जे से एक धारदार लोहे का तलवार को बरामद कर जप्त किया गया आरोपी का कृत्य अपराध धारा 25 ,27 आर्म्स एक्ट का पाये जाने से आरोपी को गिरफ्तार कर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया व आरोपी को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जैल दाखिल किया गया।

मेडिकल छात्रों को यातायात नियमों का दिया गया प्रशिक्षण, सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

राहवीर योजना, महिला सुरक्षा और साइबर अपराध से बचाव की भी दी गई जानकारी

कांकेर। कांकेर 2 जुलाई कांकेर पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को शासकीय मेडिकल कॉलेज, नंदनमारा में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल, योगेश साहू एवं उप पुलिस अधीक्षक डॉ. मेघलेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में मेडिकल छात्रों को सुरक्षित यातायात के नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक दीपक साव एवं यातायात पुलिस टीम ने छात्रों को सड़क पर सुरक्षित चलने के तरीके, ट्रैफिक संकेतों एवं सिग्नलों का महत्व, हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचने तथा शराब पीकर वाहन नहीं चलाने के संबंध में जागरूक किया। प्रोजेक्टर के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े वीडियो दिखाकर नियमों की अनदेखी के दुष्परिणाम भी समझाए गए। इस दौरान सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाने पर शासन द्वारा राहवीर योजना के तहत 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दिए जाने की जानकारी भी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के समय एम्बुलेंस या पुलिस का इंतजार किए बिना घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाई जा सकती है। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा, अभिव्यक्ति ऐप तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर भी छात्रों को जानकारी दी गई। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. टीकम ध्रुव सहित लगभग 200 मेडिकल छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भैरमगढ़ में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन, भाजपा सरकार पर साधा निशाना; दीपक बैज बोले, कांग्रेस ने 80 प्रतिशत और भाजपा ने केवल 20 प्रतिशत नक्सलवाद समाप्त किया

नक्सलवाद खत्म होने के बाद बस्तर को उजाड़ने की साजिश रची जा रही है : महंत

बीजापुर। भैरमगढ़ में आयोजित कांग्रेस के कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी ने बस्तर के मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। सम्मेलन में विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने आरोप लगाया कि नक्सलवाद समाप्त होने के बाद अब बस्तर को उजाड़ने की योजनाएं बनाई जा रही हैं। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में 80 प्रतिशत नक्सलवाद समाप्त किया था, जबकि भाजपा सरकार ने 20 प्रतिशत को ही नक्सल मुक्त की है।कार्यक्रम से पहले नेलसनार से लेकर भैरमगढ़ स्थित विधायक निवास तक कांग्रेस नेताओं का भव्य स्वागत किया गया। जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर नेताओं का अभिनंदन किया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता स्वागत रैली में शामिल हुए। विधायक निवास परिसर में आयोजित सम्मेलन का शुभारंभ जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर के स्वागत भाषण से हुआ। विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि इस सम्मेलन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा और संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार के ढाई वर्ष पूरे होने के बावजूद जनता से किए गए वादे पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव में बस्तर की सभी 12 विधानसभा सीटों पर विजय प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसके लिए प्रत्येक बूथ तक संगठन को मजबूत किया जाएगा। बैज ने आरोप लगाया कि आदिवासियों को तेंदूपत्ता संग्रह की अनुमति नहीं दी जा रही है, जबकि उद्योगपतियों को बस्तर के खनिज उत्खनन की मंजूरी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा आज सबसे बड़ा मुद्दा है और कांग्रेस इसके लिए जनसंघर्ष जारी रखेगी। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा कि बस्तर शांति, प्रेम और भाईचारे की धरती है, लेकिन लंबे समय तक संघर्ष और हिंसा का दंश झेलता रहा है। अब जब नक्सलवाद समाप्ति की ओर है, तब बस्तर के सामने नई चुनौतियां खड़ी की जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बस्तर को उजाड़ने की साजिश रची जा रही है। बोधघाट परियोजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे विषयों पर स्थानीय लोगों और आदिवासी समाज की सहमति आवश्यक है। महंत ने कहा कि जल, जंगल और जमीन आदिवासी समाज की अस्मिता से जुड़े हैं। कांग्रेस इनके संरक्षण के लिए लगातार संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संदेश के अनुरूप पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता आदिवासियों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए उनके साथ खड़ा रहेगा। सम्मेलन में लखेश्वर बघेल, देवती कर्मा, गुरुमुख सिंह होरा, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री मलकीत सिंह गैदु सहित जिलेभर के कांग्रेस पदाधिकारी, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल, विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि, पंचायत जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निकायों के सफाई कर्मचारियों ने साप्ताहिक अवकाश के लिए श्रम पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

कांकेर कांकेर जिला के विभिन्न निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश के लिए छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन ने कल श्रम पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। उक्त आशय की जानकारी छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन के राज्य कोषाध्यक्ष अरुण वाल्मीक ने आज एक प्रेस बयान जारी कर बताया। वाल्मीक ने बताया कि जिला के सभी नगरीय निकायों के सफाई कर्मियों को कोई भी साप्ताहिक अवकाश नहीं दिया जाता है। जब कि नियम के मुताबिक सभी निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश मिलना चाहिए। मजदूर नेता ने कहा कि निकाय में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों के लिए कोई भी नियम कानून को लागू ही नहीं किया जाता। मजदूरों के अधिकारों को सुरक्षित रखने के प्रति सभी अधिकारी पूरी तरह से उदासीन है। मजदूरों का पूरी तरह से शोषण किया जाता है। उन्होंने बताया कि श्रम पदाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि अगर शनिवार तक इस पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो फिर रविवार को निकाय में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों में से सभी सफाई कर्मचारी अवकाश पर रहेंगे। यूनियन नेता ने श्रम पदाधिकारी को स्पष्ट किया कि सभी सफाई कर्मचारियों को रविवार को ही अवकाश देने के बदले अलग अलग कर्मचारी को अलग अलग दिन अवकाश देना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

शादी का झांसा देकर तीन साल तक शारीरिक शोषण, पूर्व आरक्षक गिरफ्तार

बिलासपुर । जिले के तखतपुर थाना क्षेत्र में पुलिस विभाग की छवि को धक्का पहुंचाने वाला मामला सामने आया है। थाना में पूर्व में पदस्थ आरक्षक सनत मीरी को पुलिस ने युवती से शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि आरोपी आरक्षक ने उसे शादी का भरोसा देकर करीब तीन वर्षों तक शारीरिक शोषण किया। बाद में जब उसने शादी के लिए दबाव बनाया, तो आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया। शिकायत के आधार पर तखतपुर थाना पुलिस ने मामले की जांच की और आरोपों को गंभीर मानते हुए आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज की। विवेचना के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरक्षक सनत मीरी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है। पीड़िता के बयान, उपलब्ध साक्ष्य और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया भी की जा रही है।

मुनाफे का झांसा देकर व्यापारी परिवार से 20 लाख की धोखाधड़ी

बिलासपुर। शेयर ट्रेडिंग में कम समय में अधिक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर व्यापारी परिवार से 20 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी शशिकांत सिंह ने शुरुआत में पीड़ितों को छोटी रकम पर मुनाफा देकर विश्वास में लिया। इसके बाद वर्ष 2023-24 के दौरान दयालबंद निवासी अर्जुन भोजवानी और उनके साथी प्रतीक कौशिक से नकद एवं फोनपे के माध्यम से कुल 20 लाख रुपये तथा एक अन्य युवक से 15 लाख रुपये लिए गए। रकम वापस मांगने पर आरोपी ने 9 लाख रुपये का चेक दिया, जो बैंक में बाउंस हो गया। इसके बाद आरोपी ने पीड़ितों से संपर्क करना भी बंद कर दिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिलासपुर रेंज के आईजी ने ली पुलिस अधीक्षकों की समीक्षा बैठक संपन्न

बिलासपुर। बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रेंज के सभी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों एवं पुलिस अधीक्षकों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कानून-व्यवस्था, एनडीपीएस मामलों, न्यायालयीन समन-वारंट की तामीली तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध निराकरण की समीक्षा की गई। आईजी ने एनडीपीएस एक्ट के तहत लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए उन प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, जिनमें आरोपी अब तक गिरफ्तार नहीं हुए हैं। उन्होंने प्रत्येक जिले को ऐसे मामलों में अलग कार्ययोजना बनाकर फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिन मामलों में आरोपियों की फरारी के दौरान चालान पेश हो चुका है, उनमें न्यायालय से वारंट जारी कराकर उसकी प्रभावी तामीली सुनिश्चित करने को कहा गया। आईजी ने पुलिस अधीक्षकों को अंतर्राज्यीय समन्वय बढ़ाने, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स से जानकारी साझा करने, फरार आरोपियों के बैंक खाते, पैन, आधार और मोबाइल सहित तकनीकी व वित्तीय जानकारी जुटाने तथा इनपुट का उपयोग कर गिरफ्तारी अभियान तेज करने के निर्देश दिए। साथ ही गिरफ्तार सह-आरोपियों से पूछताछ कर फरार आरोपियों के ठिकानों का पता लगाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में न्यायालय द्वारा जारी समन और वारंट की तामीली की भी समीक्षा की गई। आईजी ने गंभीर मामलों में गवाहों, डॉक्टरों और पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध जारी वारंटों की समय पर तामीली नहीं होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने सभी पुलिस अधीक्षकों को व्यक्तिगत निगरानी में वारंटों की तामीली कराने और आवश्यकता होने पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गवाही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में न्यायालय से लंबित समन-वारंट रेंज कार्यालय को भेजे जाते हैं तो संबंधित थाना प्रभारी और नोडल राजपत्रित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। आईजी रामगोपाल गर्ग ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध निराकरण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा में शिकायतों का समाधान सुनिश्चित किया जाए। यदि किसी थाना स्तर पर लापरवाही के कारण शिकायत उच्च स्तर पर पहुंचती है तो संबंधित थाना प्रभारी के खिलाफ शो-कॉज नोटिस जारी कर कार्रवाई की जाए। बैठक के अंत में आईजी ने सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि वे इन आदेशों की स्वयं निगरानी करें और जिलों में कानून-व्यवस्था, सराफा बाजारों की नियमित जांच तथा पिकेट पॉइंट्स पर सतत चेकिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने अगले माह एनडीपीएस मामलों की पुनः समीक्षा करने की भी घोषणा की। बैठक में बिलासपुर, रायगढ़, मुंगेली, कोरबा, जांजगीर-चांपा, सक्ती, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही और सारंगढ़-बिलाईगढ़ सहित रेंज के सभी जिलों के पुलिस अधिकारी, थाना प्रभारी तथा समन-वारंट एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शाखा के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

जीवन और काम से जुड़े रोचक किस्सो को किया साझा, समाज और युवाओं के नाम दिया संदेश..

प्रेस क्लब में पहुना बनकर पहुंचे एसएसपी रजनेश सिंह

बिलासपुर। बिलासपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रजनेश सिंह आज प्रेस क्लब के हमर पहुना कार्यक्रम में शामिल होने बिलासपुर प्रेस क्लब पहुंचे, जहां प्रेस क्लब के अध्यक्ष अजीत मिश्रा ने उनका पुष्प गुच्छ से स्वागत किया, दौरान एसएसपी रजनेश सिंह ने पत्रकारों से बिलासपुर पुलिस की उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की, उन्होंने बताया कि, जिले में अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलताएं प्राप्त हुई हैं। एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि, गंभीर अपराधों के मामलों में 22 अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा दिलाई गई है, वहीं अपराध से अर्जित संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 7 आरोपियों से लगभग 9.5 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है, उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल अपराधों की रोकथाम और आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई में भी बिलासपुर पुलिस ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। महिलाओं के प्रति अपराधों को रोकने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके साथ ही नशे के खिलाफ विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है, क्योंकि अधिकांश अपराधों की जड़ कहीं न कहीं नशे से जुड़ी हुई पाई जाती है। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार और इससे जुड़े अपराधों पर नियंत्रण पुलिस की प्राथमिकता है। एसएसपी ने बताया कि वर्तमान समय में पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती साइबर अपराधों की रोकथाम है। इसके लिए बिलासपुर पुलिस विभिन्न माध्यमों से आम जनता को जागरूक करने का कार्य कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में साइबर ठगी से बचाव के लिए थाना स्तर पर हमर संगवारी समूह बनाए गए हैं, जिनके माध्यम से ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी और जागरूकता प्रदान की जा रही है। अपने व्यक्तिगत जीवन और पुलिस सेवा के सफर को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि बचपन से ही पुलिस व्यवस्था को करीब से देखने का अवसर मिला। उनके स्कूल के समीप एसपी कार्यालय होने के कारण पुलिस अधिकारियों को देखकर उनके मन में इस सेवा के प्रति आकर्षण उत्पन्न हुआ। ग्वालियर और सिंगरौली में शिक्षा प्राप्त करने के बाद वे रायपुर पहुंचे, जहां एलएलबी की पढ़ाई पूरी करने के पश्चात लोक सेवा आयोग के माध्यम से पुलिस सेवा में आए। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों सहित कई जिलों में सेवाएं देने के बाद उन्हें वर्तमान में बिलासपुर में कार्य करने का अवसर मिला है। उन्होंने दुर्ग जिले में अपनी पदस्थापना के दौरान 16 डकैती मामलों के सफल खुलासे का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि इन मामलों के समाधान के लिए विशेष रणनीति बनाकर और तकनीकी व सूचना तंत्र का प्रभावी उपयोग कर आरोपियों तक पहुंचा गया। स्मार्ट पुलिसिंग की अवधारणा पर चर्चा करते हुए एसएसपी रजनेश सिंह ने कहा कि इसके लिए सूचना तंत्र को मजबूत करना, जनता के बीच पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाना तथा पुलिस कर्मचारियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पुलिस परिवार कल्याण के लिए भी कई महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बिलासपुर स्टेशन का पुनर्विकास कार्य तेज़ी से जारी.....

- गेट नं. 04 के सामने स्टेशन भवन निर्माण कार्य होगा प्रारम्भ 7
- 10 जुलाई 2026 से बुधवारी बाजार मेन रोड से गेट नं. 04 जाने वाला मार्ग अस्थायी रूप से बंद रहेगा

बिलासपुर। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत बिलासपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस योजना के तहत स्टेशन को आधुनिक, अधिक सुविधाजनक एवं विश्वस्तरीय स्वरूप दिया जा रहा है, ताकि यात्रियों को भविष्य में बेहतर यात्रा सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। पुनर्विकास कार्य के अगले चरण में गेट नं. 04 के सामने नए स्टेशन भवन का निर्माण प्रारंभ किया जाएगा। इसके लिए 10 जुलाई 2026 से बुधवारी बाजार मेन रोड पर मुल्कराज होटल के सामने से गेट नं. 04 तक आने-जाने वाला मार्ग अस्थायी रूप से बंद रहेगा। इस गेट तक आने-जाने के लिए बुधवारी बाजार के पीछे स्थित सड़क मार्ग पहले की तरह खुला रहेगा। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे स्टेशन परिसर में प्रदर्शित दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा पुनर्विकास कार्य पूर्ण होने तक रेलवे प्रशासन का सहयोग करें।

सुप्रीम कोर्ट के 'समाधान समारोह-2026' में आपसी सहमति से सुलझेंगे लंबित मामले

बिलासपुर। न्याय को सरल, सुलभ और आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 'समाधान समारोह-2026' का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत 21, 22 और 23 अगस्त 2026 को सुप्रीम कोर्ट परिसर में विशेष लोक अदालत आयोजित होगी, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय में लंबित उपयुक्त मामलों का आपसी सहमति और सुलह के आधार पर निपटारा किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत की तैयारी के तहत राज्य, जिला, तालुका एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरणों तथा मध्यस्थता केंद्रों में पूर्व सुलह बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इन बैठकों में पक्षकार व्यक्तिगत रूप से या ऑनलाइन माध्यम से शामिल होकर प्रशिक्षित मध्यस्थों और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारियों की सहायता से विवादों का समाधान तलाश सकते हैं। अधिवक्ताओं, वादकारियों और संबंधित पक्षों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है। जिन मामलों की सुनवाई सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है, उन्हें इस विशेष लोक अदालत में शामिल करने के लिए एक सरल गूगल फॉर्म उपलब्ध कराया गया है। फॉर्म भरकर संबंधित पक्ष अपने मामले को समाधान समारोह-2026 में शामिल करा सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, त्वरित और सौहार्दपूर्ण बनाते हुए आपसी सहमति के माध्यम से लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करना है।

राज्य मानसिक अस्पताल के जीवनदीप समिति की बैठक में लिये गये कई निर्णय

बिलासपुर। संभागायुक्त श्री सुनील जैन की अध्यक्षता में राज्य मानसिक चिकित्सालय सेन्दरी में जीवनदीप समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मानसिक मरीजों की सुविधा के लिए कई निर्णय लिए गये। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल सहित जीवनदीप समिति के सदस्य जिला अधिकारी बैठक में उपस्थित थे। बैठक में संभागायुक्त श्री जैन ने मानसिक रोग के लिए जन जागरूकता लाने के लिए वृहद स्तर पर प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। अस्पताल अधीक्षक डॉ. जेपी आर्या ने बताया कि मानसिक रोग के प्रति जन जागरूकता लाने के लिए राज्य शासन द्वारा प्रत्येक जिले एवं राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, स्पर्श क्लिनिक यूनिट का संचालन किया जा रहा है। जिनके द्वारा वृहद स्तर पर मानसिक रोग के संबंध में प्रचार प्रसार एवं संगोष्ठी का आयोजन समय-समय पर किया जा रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि कोनी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में जांच हेतु रिफर किये गये बीपीएल एवं घुमन्तू मरीजों के सीटी स्कैन, एमआरआई, अल्ट्रा साउण्ड, पैथालॉजी जैसे जांच का भुगतान जीवनदीप समिति द्वारा किया जाएगा। इस अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 118 मरीज इलाज कराने पहुंचते है। इस साल जनवरी माह से जून माह तक 21 हजार 47 लोगों ने मानसिक रोगों का उपचार करवाया है। इसी प्रकार इस अवधि में 637 मरीजों को भर्ती कराकर उनका इलाज किया गया। संभागायुक्त ने सर्वसुविधायुक्त परिजन हॉल बनाने के निर्देश दिए। आय-व्यय की जानकारी में बताया गया कि अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक अस्पताल को लगभग 1 करोड़ रूपए की राशि की आवक हुई है। इसमें से 9 लाख 73 हजार रूपये अस्पताल के कार्यों में खर्च हुए एवं लगभग 90 लाख रूपए की रकम शेष है। इस राशि को ज्यादा ब्याज देने वाले बैंकों में जमा करने का निर्णय लिया गया। अस्पताल प्रबंधन द्वारा अनुमोदन की प्रत्याशा में किये गये मजदूरी भुगतान सहित अन्य जरूरी खर्चे हेतु लगभग 5 लाख 39 हजार रूपए की कार्योत्तर स्वीकृति भी प्रदान की गई। बैठक में एजेण्डा के अनुरूप मनोरोग डॉक्टरों के लिए बैठक कक्ष, परिजन कक्ष, मरीजों के घूमने फिरने हेतु निर्मित कोर्ट यार्ड में पेवर ब्लॉक, जनरेटर, शेड आदि की व्यवस्था बाबत् विस्तृत चर्चा कर निर्णय लिया गया।

1000 के बदले कई गुना वसूल रही साय सरकार -शैलेश....

- 6 महीने से वृद्धापेंशन बंद , महतारी वंदन की चमक में सरकार ने बुजुर्गों को भुला दिया

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना की चमचमाती हेडलाइंस लाइंस और सरकारी विज्ञापनों के पीछे एक ऐसा कड़वा सच छिप गया है, जिसने प्रदेश के लाखों सयानों (बुजुर्गों) के आंसुओं को बेमोल कर दिया है। प्रदेश की भाजपा सरकार जहां हर महीने एक हजार रुपए बांटकर महिला सशक्तिकरण का महा-उत्सव मना रही है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के असहाय, विधवा और दिव्यांग बुजुर्ग बीते छह महीनों से पाई-पाई को मोहताज हैं। सरकार ने लोक लुभावन दावों की आड़ में चुपचाप वृद्धावस्था पेंशन पर अघोषित लॉकडाउन लगा दिया है। इस गंभीर मुद्दे पर पूर्व विधायक शैलेश पांडे ने इसे बुजुर्गों का घोर अपमान बताते हुए कहा कि महतारी वंदन के प्रचार प्रसार में छत्तीसगढ़ के बुजुर्ग और सियानों को साय सरकार ने भुला दिया है। श्री पाण्डेय ने कहा कि भाजपा सरकार केवल इवेंट मैनेजमेंट की सरकार बनकर रह गई है।यह कैसी संवेदनशीलता है जहां एक घर में बहू को 1000 देने का ढिंढोरा पीटा जा रहा है, और उसी घर के दादा-दादी की 350 और 500 की पेंशन पिछले 6 महीने से रोक कर रखी गई है क्या सरकार के पास बुजुर्गों को देने के लिए पैसे नहीं हैं, या फिर सारा बजट सिर्फ अपनी ब्रांडिंग और वाहवाही लूटने वाले विज्ञापनों में फूंक दिया गया है? दवा और दाने-दाने को तरस रहे हैं बुजुर्ग - श्री पाण्डेय ने जमीनी हकीकत बयां करते हुए सरकार से सीधे तीन ज्वलंत और तीखे सवाल किए हैं दवाइयों का संकट- गांवों और कस्बों में रहने वाले गरीब बुजुर्ग इस मामूली पेंशन राशि से अपनी बीपी, शुगर और दमे की दवाइयां खरीदते थे। 6 महीने से फूटी कौड़ी न मिलने के कारण कई बुजुर्ग बिना इलाज के खाट पर पड़े हैं। बैंकों के चक्कर काटती बूढ़ी आंखे ,बारिश , धूप और उमस भरे मौसम में 70-80 साल के बुजुर्ग हर हफ्ते लाठी टेकते चॉइस सेंटरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें हर बार लिंक फेल या बजट नहीं है कहकर उल्टे पांव लौटा दिया जाता है। अधिकारियों की चुप्पी जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग के पास इस बात का कोई जवाब नहीं है कि आखिर यह राशि कब आएगी। प्रशासनिक अमला पूरी तरह से पंगु हो चुका है।। बजट की हेराफेरी या राजनीतिक छलावा- पूर्व विधायक श्री पाण्डेय ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ की वित्तीय स्थिति को खोखला कर दिया है। अपनी चुनावी घोषणा (महतारी वंदन) को पूरा करने के लिए सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के बजट को डाइवर्ट कर दिया है। यह नीतिगत दिवालियापन नहीं तो और क्या है।

सहकारी सप्ताह में जिलेभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

किसानों को मिल रही तकनीक, वित्त और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

बिलासपुर। सहकारिता विभाग, भारत सरकार के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सहकारिता मंत्रालय एवं छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिले में 29 जून से सहकारी सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। सप्ताहभर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सहकारिता आंदोलन को सशक्त बनाने, सहकारी समितियों की गतिविधियों का विस्तार करने तथा आमजन एवं कृषकों को विभागीय योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। सहकारी सप्ताह के प्रथम दिवस जिले की सभी सेवा सहकारी समितियों के मुख्यालयों में समिति के प्राधिकृत अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सहकारिता ध्वज का ध्वजारोहण किया गया तथा समिति के बायलॉज का वाचन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में समिति सदस्य उपस्थित रहे। द्वितीय दिवस जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में जिला सहकारी विकास समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित सहकारी गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के विस्तार पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रत्येक विकासखंड में एफपीओ कार्यक्रम संचालित करने पर सहमति व्यक्त की गई। तृतीय दिवस तखतपुर विकासखंड के सेवा सहकारी समिति मर्यादित पोड़ी में इफ्को द्वारा ड्रोन के माध्यम से तरल उर्वरक छिड़काव का प्रदर्शन किया गया। विशेषज्ञों ने किसानों को ड्रोन तकनीक एवं तरल उर्वरकों के उपयोग से होने वाले लाभों की जानकारी दी। इसी दिन जिले की विभिन्न पैक्स समितियों में कृषक संगोष्ठियों का आयोजन कर आधुनिक कृषि तकनीकों एवं सहकारी योजनाओं की जानकारी किसानों को दी गई। चतुर्थ दिवस जिले की मॉडल पैक्स समितियों का भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कृषक सदस्यों ने समितियों की कार्यप्रणाली एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) एवं रुपे केसीसी कार्ड वितरित किए गए तथा पैक्स समितियों में संचालित माइक्रो एटीएम सेवाओं की जानकारी भी दी गई। सहकारी सप्ताह के अंतर्गत जिले की सभी सेवा सहकारी समितियों में स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा समिति परिसरों में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रमों में समिति के प्राधिकृत अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में सदस्य शामिल हुए। 4 जुलाई को सेवा सहकारी समिति मर्यादित बेलपान, बेलगहना एवं सल्का में संचालित जन औषधि केंद्रों पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में ग्रामीणों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा तथा चिकित्सकों द्वारा मौसमी बीमारियों से बचाव एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी प्रदान किए जाएंगे।

आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्रि कब से कब तक रहेगी?

सनातन धर्म में आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्रि का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व माना जाता है। वर्ष में चार नवरात्रियां आती हैं, जिनमें चैत्र और शारदीय नवरात्रि सार्वजनिक रूप से व्यापक रूप में मनाई जाती हैं, जबकि माघ और आषाढ़ की गुप्त नवरात्रि साधना, उपासना और देवी आराधना के लिए अत्यंत फलदायी मानी जाती हैं। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना के साथ-साथ शक्ति साधना, मंत्र जप और विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं।

यदि आप जानना चाहते हैं कि आषाढ़ गुप्त नवरात्रि 2026 कब से कब तक रहेगी, तो यहां आपको इससे जुड़ी पूरी जानकारी मिलेगी।

साल 2026 में आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्रि 15 जुलाई, 2026, दिन बुधवार से शुरू होकर 23 जुलाई, 2026, दिन गुरुवार तक रहेगी।

घटस्थापना (कलश स्थापना) तिथि : 15 जुलाई, 2026
घटस्थापना का शुभ मुहूर्त : सुबह 06 :01 से 10 :17 तक
(कुछ पंचांगों के अनुसार सुबह 05 :33 से 10 :09 तक भी रहेगा)।
प्रतिपदा तिथि की शुरुआत : 14 जुलाई को दोपहर 03 :12 से होगी।
प्रतिपदा तिथि का समापन : 15 जुलाई को सुबह 11 :50 पर होगा।
उदयातिथि के अनुसार घटस्थापना 15 जुलाई को ही की जाएगी।
नवरात्रि का समापन (नवमी) : 23 जुलाई, 2026 को व्रत के पारण के साथ होगा।

गुप्त नवरात्रि में मुख्य रूप से तंत्र साधना और मां दुर्गा के नौ रूपों के साथ-साथ 'दस महाविद्याओं' की गुप्त रूप से पूजा-अर्चना की जाती है।

घर में लगाएं दौड़ता हुआ घोड़ा या हाथी की मूर्ति?

वास्तु शास्त्र और फेंगशुई में घर की सजावट से जुड़ी कई ऐसी चीजें बताई गई हैं, जिन्हें पॉजिटिविटी और शुभता का प्रतीक माना जाता है। इनमें दौड़ते हुए घोड़ों की प्रतिमा और हाथी की मूर्ति भी हैं। हालांकि, दोनों को लेकर लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि घर में दौड़ता हुआ घोड़ा लगाएं या हाथी की मूर्ति। वास्तु अनुसार दोनों के फायदे अलग-अलग होते हैं और इनमें अपनी जरूरत के अनुसार चुनना बेहतर माना जाता है। तो चलिए जानते हैं दोनों से जुड़े वास्तु नियम और लाभ।

दौड़ता हुआ घोड़ा: सफलता का प्रतीक

वास्तु शास्त्र और फेंगशुई में दौड़ते हुए घोड़े ऊर्जा, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की प्रेरणा का प्रतीक माने जाते हैं। इन्हें घर या ऑफिस में रखने से करियर, व्यापार और पढ़ाई में बेहतर परिणाम मिलने की उम्मीद बढ़ती है। इसी कारण नौकरीपेशा लोगों, कारोबारियों और छात्रों के बीच इसकी खास लोकप्रियता है।

ऐसे रखें घोड़ों की प्रतिमा

वास्तु में 7 दौड़ते हुए घोड़ों की पेंटिंग या मूर्ति को सबसे शुभ माना जाता है। ध्यान रखें कि घोड़ों का मुख घर के अंदर की ओर हो, ताकि सकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश करे। गलत दिशा में रखी गई प्रतिमा का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता।

हाथी की मूर्ति: स्थिरता और सुरक्षा

वास्तु शास्त्र में हाथी की मूर्ति शक्ति, बुद्धिमत्ता और सौभाग्य का प्रतीक मानी जाती है। इसे घर में रखने से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है, आर्थिक स्थिति में स्थिरता आने की मान्यता है। परिवार की खुशहाली और सुरक्षा के लिए इसे शुभ माना जाता है।

हाथी रखने के वास्तु नियम

वास्तु में ऊपर उठी हुई सूंड वाला हाथी शुभ संकेत माना जाता है। कहते हैं कि यह धन और सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करता है। वहीं, जोड़े में रखे गए हाथी या सूंड मिलाते हुए हाथियों की मूर्ति परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम, सामंजस्य और आपसी विश्वास बढ़ाने का प्रतीक मानी जाती है।

किसे चुनना रहेगा बेहतर?

दौड़ते हुए घोड़े और हाथी की मूर्ति, दोनों का महत्व अलग-अलग माना गया है। अगर आपका लक्ष्य करियर, व्यापार में तरक्की हासिल करना है तो दौड़ते हुए घोड़े की मूर्ति बेहतर और परफेक्ट ऑप्शन है। अगर आप घर में शांति, आर्थिक स्थिरता और सकारात्मक माहौल चाहते हैं तो हाथी की मूर्ति रखना बेहतर विकल्प है।

जुलाई में कब है मासिक शिवरात्रि?

हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि और निशिता काल पूजा का समय इस प्रकार है:

मासिक शिवरात्रि : 12 जुलाई 2026 (रविवार)
चतुर्दशी तिथि प्रारंभ : 12 जुलाई 2026, रात 10 :30 बजे
चतुर्दशी तिथि समाप्त : 13 जुलाई 2026, शाम 6 :49 बजे
निशिता काल पूजा मुहूर्त : 13 जुलाई की मध्यरात्रि 12 :07 बजे से 12 :47 बजे तक

हर महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि का पावन पर्व मनाया जाता है। यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती की कृपा प्राप्त करने के लिए रखा जाता है। इस बार आषाढ़ मास की मासिक शिवरात्रि रविवार को पड़ रही है। खास बात यह है कि इस दिन रवि प्रदोष व्रत का भी शुभ संयोग बन रहा है, जिससे इस तिथि का महत्व और बढ़ गया है।

भगवान शिव की पूजा के लिए मध्यरात्रि का निशिता काल सबसे शुभ माना जाता है। इसलिए, मासिक शिवरात्रि का व्रत और मुख्य पूजा 12 जुलाई, रविवार को ही की जाएगी।

खड़े होकर या बैठकर भगवान की पूजा? सामने कैसे करनी चाहिए पूजा?

हिंदू धर्म में दैनिक पूजा-पाठ का विशेष महत्व है। हम सभी अपने घर के मंदिर में ईश्वर की आराधना करते हैं। पूजा करते समय हम अक्सर इस उलझन में रहते हैं कि भगवान के सामने खड़े होकर प्रार्थना करनी चाहिए या बैठकर? कई बार समय की कमी के कारण हम जल्दबाजी में खड़े-खड़े ही हाथ जोड़ लेते हैं, तो कभी आराम से आसन बिछाकर बैठते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शास्त्रों और पुराणों में पूजा करने के कुछ नियम बताए गए हैं? आइए जानते हैं कि शास्त्रों के अनुसार पूजा करने का सही नियम क्या है।

शास्त्रों के अनुसार बैठकर पूजा करना माना गया है सबसे सही

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान की रोजाना पूजा हमेशा किसी आसन पर बैठकर करना सबसे अच्छा माना गया है। पूजा के समय जमीन पर सीधे बैठने के बजाय सूती कपड़े या चटाई का आसन बिछाने की परंपरा है। ऐसा माना जाता है कि आसन पर बैठकर पूजा करने से मन शरीर स्थिर रहता है। इसलिए दैनिक पूजा, मंत्र जाप, ध्यान और पाठ के दौरान बैठकर पूजा करने की सलाह दी जाती है।

किन परिस्थितियों में खड़े होकर पूजा की जाती है?

हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि खड़े होकर पूजा करना गलत है। कई धार्मिक अवसरों पर खड़े होकर पूजा करना भी परंपरा का हिस्सा है। मंदिर में आरती के समय, भगवान के दर्शन करते समय, धूप-दीप अर्पित करते समय या विशेष अनुष्ठानों में श्रद्धालु खड़े होकर भी पूजा करते हैं। यदि किसी स्थान पर बैठने की व्यवस्था न हो या भीड़ अधिक हो, तो भगवान को याद और प्रार्थना खड़े होकर भी की जा सकती है।

पूजा के दौरान सही आसन का क्या महत्व है?

धार्मिक ग्रंथों में पूजा के समय सही आसन का विशेष महत्व बताया गया है. माना जाता है कि उचित आसन पर बैठने से शरीर की ऊर्जा संतुलित रहती है और मन इधर-उधर भटकने के बजाय भगवान की भक्ति में लगा रहता है. यही कारण है कि साधु-संत और ऋषि-मुनि भी साधना के समय विशेष आसन का उपयोग करते थे.

पूजा में जरूरी है श्रद्धा और एकाग्रता

धार्मिक दृष्टि से पूजा का उद्देश्य भगवान के प्रति प्रेम, विश्वास और समर्पण प्रकट करना है। यदि मन इधर-उधर भटक रहा हो, तो केवल नियम निभाने से पूजा का पूरा फल नहीं मिलता। वहीं सच्चे मन से की गई छोटी-सी प्रार्थना भी अत्यंत फलदायी मानी जाती है।

आज का राशिफल

मेष राशि - चंद्रमा के दसवें भाव में होने से आज काम करने का एक अद्भुत जोश, जुनून और उत्साह आपके भीतर बना रहेगा। जो लोग शेयर बाजार में एक्टिव हैं और पहले निवेश कर चुके हैं, आज उन्हें मार्केट से बड़ा आर्थिक मुनाफा हाथ लग सकता है।

वृषभ राशि - चंद्रमा के नवम भाव में होने से आज आपको अपने सभी धार्मिक और मांगलिक कार्यों में बड़ी सफलता मिलेगी। जो लोग नौकरीपेशा हैं, आज कार्यस्थल पर उनके काम करने का अनूठा तरीका आजीग्स और को-वर्कर्स को व्यापक रूप से प्रभावित करेगा, जिससे आपका रुतबा बढ़ेगा।

मिथुन राशि - चंद्रमा के अष्टम भाव में होने से आज ननिहाल पक्ष में किसी सदस्य के साथ अचानक हल्की अनबन होने की आशंका है, अपनी वाणी पर कंट्रोल रखें। आज ग्रह स्थिति थोड़ी विपरीत होने के कारण परिवार में किसी पुरानी बात को लेकर डिबेट छिड़ सकती है; काम के प्रेशर के चलते लाइफ पार्टनर को समय देना मुश्किल होगा।

कर्क राशि - चंद्रमा के सप्तम भाव में होने से आज पार्टनरशिप (साझेदारी) के बिजनेस से आपको बहुत बड़ा आर्थिक लाभ होने वाला है। जो लोग जॉब बदलने या किसी बेहतर कॉरपोरेट कंपनी में स्विच करने का मन बना रहे हैं, आज उनके लिए मार्केट से बेहद शानदार और बंपर ऑफर्स सामने आ सकते हैं।

सिंह राशि - चंद्रमा के छठे भाव में होने से आज अत्यधिक वर्कआउट के कारण थोड़ा शारीरिक तनाव या थकान महसूस हो सकती है। आपकी गजब की कार्यक्षमता, डेडीकेशन और कड़े अनुशासन को देखते हुए आज ऑफिस में टॉप मैनेजमेंट द्वारा आपको किसी इंपोर्टेंट प्रोजेक्ट को लीड करने के लिए चुना जा सकता है, जिससे आपका रुतबा बढ़ेगा।

कन्या राशि - चंद्रमा के पांचवें भाव में होने से आज संतान पक्ष की तरफ से कोई बहुत बड़ा सुखद और संतोषजनक समाचार मिल सकता है। आज सहकर्मियों और जूनियर्स के साथ मिलकर यदि आप काम कर रहे हैं, तो एक्टिव रहें और आजीग्स को भी मोटिवेट करें। कार्यस्थल पर आपके इनोवेटिव आइडियाज आपके करियर और फ्यूचर को पूरी तरह सेफ करेंगे।

तुला राशि-चंद्रमा के चतुर्थ भाव में होने से आज भूमि-भवन, रियल एस्टेट और प्रॉपर्टी से जुड़े पुराने उलझे हुए मामले आसानी से सुलझ जाएंगे। आज आपके ऊपर अचानक वर्कआउड अधिक रहने की वजह से कार्यस्थल पर कुछ अतिरिक्त समय (ओवरटाइम) देना पड़ सकता है; अपनी वाणी और स्वभाव को पूरी तरह संयमित व शांत रखें।

वृश्चिक राशि -चंद्रमा के तीसरे भाव में होने से आज आप अपने निर्णयों में बेहद साहसी, पराक्रमी और स्पष्ट नजर आएंगे। यदि आपने पहले से किसी दूसरी बड़ी कंपनी में न्यू जॉब के लिए अप्लाई (New Job Openings & Interview Call) कर रखा है, तो आज वहां से आपके पास इंटरव्यू या फाइनल सिलेक्शन का शानदार ऑफर आ सकता है, जिससे करियर को नई गति मिलेगी।

धनु राशि-चंद्रमा के दूसरे भाव में होने से आज आपको अपने नैतिक और पारिवारिक मूल्यों को पूरा करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। नौकरीपेशा लोगों को आज करियर में बड़ा पद लाभ प्राप्त हो सकता है; कंपनी की प्रमोशन लिस्ट में आपका नाम प्रमुखता से आ सकता है, जिससे आपका रुतबा बढ़ेगा।

मकर राशि - चंद्रमा आज आपकी ही राशि में गोचर करेंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता सातवें आसमान पर रहेगी। डेटा और लॉजिक के आधार पर आज बिजनेसमैन द्वारा लिया गया हर एक डिसीजन मार्केट में पूरी तरह सटीक बैठेगा, जिसके बल पर आप कॉम्पिटिटर्स को पछाड़कर नंबर वन बनने में सफल रहेंगे।

कुंभ राशि- चंद्रमा के बारहवें भाव में होने से आज आपको अपने घरेलू और व्यावसायिक खर्चों को कम करने की एक ठोस प्लानिंग करने की सख्त जरूरत है। आज आपको अपने डेली रूटीन और बिजनेस में फिजूलखर्ची को हर हाल में रोकना होगा, अन्यथा आने वाले समय में वर्किंग कैपिटल की भारी किल्लत का सामना करना पड़ सकता है।

मीन राशि- चंद्रमा के 11वें भाव में होने से आज का दिन आपकी कुल इनकम और रेवेन्यू को तेजी से बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम है। जो युवा अपने पुश्तैनी और पारिवारिक व्यापार से अलग हटकर अपना खुद का कोई इंडिपेंडेंट स्टार्टअप या बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, उनके लिए आज का समय पूरी तरह अनुकूल और भाग्यशाली रहेगा।

सोते समय मुंह से लार आना किस चीज का संकेत?

एक्सपर्ट ने बताया

रात में सोते समय बहुत से लोग पेट के बल लेटे होते हैं। दिक्कत तब महसूस होती है जब उठते समय तकिए या गद्दे पर मुंह से लार निकली हुई पाई जाए। इस कंडीशन को नॉर्मल समझा जाता है, लेकिन अगर ऐसा रेगुलर हो रहा है तो नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। छोटे बच्चों के साथ ऐसा हो तो इसे पेट में कीड़े से जोड़ दिया जाता है। प्रॉब्लम तब महसूस होती है जब किसी बड़े बच्चे या वयस्कों के साथ ऐसा हो रहा हो। एक्सपर्ट कहते हैं कि जब हम सोते हैं तो हमारे चेहरे और मुंह की मसल्स रिलैक्स हो जाती है. ऐसे में अगर कोई करवट लेकर या पेट के बल सोता है तो उसे ये लार बाहर आने की दिक्कत होती है। आखिर ऐसा क्यों होता है और इसे कंट्रोल करने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, चलिए आपको एक्सपर्ट के जरिए बताते हैं...

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

डॉक्टर लवलीन शर्मा (कंसलटेंट चेस्ट फिजिशियन (पल्मोनरी एंड स्लीप मेडिसिन), कैलाश दीपक हॉस्पिटल) कहते हैं कि कई लोग सुबह उठते हैं और देखते हैं कि तकिया गीला हो गया है या मुंह से लार निकल गई थी। फिर उन्हें लगता है कि कहीं कोई बीमारी तो नहीं है। लेकिन ज़्यादातर बार ऐसा होना बिल्कुल नॉर्मल है। असल में जब हम सोते हैं, तो हमारे चेहरे और मुंह की मसल्स रिलैक्स हो जाती हैं, अगर आप करवट लेकर या पेट के बल सोते हैं, तो कई बार लार मुंह से बाहर निकल जाती है, क्योंकि उस समय यो आपने आप निगली नहीं जाती।

सर्दी या एलर्जी के कारण

लेकिन अगर पहले कभी ऐसा नहीं होता था और अचानक बहुत ज्यादा लार आने लगी है, या इसके साथ और भी दिक्कतें हैं, तो इसे हल्के में मत लीजिए। कई बार सर्दी या एलर्जी की वजह से नाक बंद हो जाती है, फिर हम मुंह से सांस लेने लगते हैं और लार ज्यादा निकलने लगती है। कुछ लोगों में ऐसा स्लीप एपनिया की वजह से भी होता है, जिसमें सोते समय बार बार सांस रुकती है। वहीं अगर निगलने में दिक्कत हो या नसों और मसल्स से जुड़ी कोई प्रॉब्लम हो तब भी ऐसा हो सकता है।

कब डॉक्टर को दिखाना चाहिए

इसलिए सिर्फ लार आने को देखकर घबराना नहीं चाहिए। ये भी देखना चाहिए कि क्या आपको बहुत खर्राटे आते हैं? क्या नींद में सांस रुकती है या हांफते हुए आंख खुलती है? क्या खाना निगलने में दिक्कत होती है? क्या बोलने में बदलाव आया है या शरीर में कमजोरी लग रही है? अगर इनमें से कुछ भी हो रहा है, तो डॉक्टर को जरूर दिखाइए।

खुद के अंदर ले आएं ये चेंज

आज के समय में सिर्फ अच्छी डिग्री या स्किल्स ही काफी नहीं हैं, बल्कि आपकी पर्सनालिटी भी उतनी ही मायने रखती है। आप कैसे बोलते हैं, कैसे पेश आते हैं और लोगों के सामने खुद को कैसे प्रेजेंट करते हैं...ये सारी चीजें मिलकर आपको एक अलग पहचान देती हैं। कई बार हम देखते हैं किसी व्यक्ति को हर तरफ तारीफ मिल रही होती है। वहीं कुछ लोग अच्छे होकर भी लोगों को पसंद नहीं आते हैं। पर्सनैलिटी अट्रैक्टिव होना बहुत जरूरी है। यही वजह है कि कुछ लोग पर्सनैलिटी डेवलेपमेंट का कोर्स तक रखते हैं। वैसे पर्सनालिटी डेवलपमेंट कोई मुश्किल काम नहीं है। इसके लिए आपको किसी एक्सपर्ट की भी जरूरत नहीं है। बस अपने अंदर कुछ आदतों को बदल कर और कुछ खुद में कुछ चेंजेस लाकर आप अपनी पर्सनैलिटी को भी बेहतर बना सकते हैं।

■ पॉजिटिव सोच अपनाएं

पॉजिटिविटी हर किसी को पसंद होती है और ये सबसे बड़ी ताकत भी होती है। जब सोच पॉजिटिव रहती है तो ऐसे लोग हर सीच्युशन में पॉजिटिव ही रहते हैं। ऐसे लोग हर जगह पसंद किए जाते हैं क्योंकि इनके साथ रहने से ही माहौल सकारात्मक बना रहता है।

■ बोलने से पहले सोचें

कम बोलना या ज्यादा बोलना मैटर नहीं करता है। मेटर करता है सोच कर और अच्छा बोलना। अगर आप कम बोलते हैं या फिर ज्यादा बोलते हैं तो अपने अंदर ये चेंज जरूर लाएं कि, जितना भी बोले अच्छा और सही बोले। क्योंकि बातों में विनम्रता और समझदारी झलकनी जरूरी है। जब आप अच्छा और सोच-समझकर बोलते है लोग आपकी बातों को सुनते हैं और आपको सीरियसली लेते हैं। ऐसे में आपकी इज्जत भी बढ़ जाती है।

■ दूसरों की बातध्यान से सुनें

कुछ लोगों में आदत होती है कि वो खुद को बोल लेते हैं। लेकिन दूसरों की सुनते नहीं है। ऐसे लोगों को कई जगह पर पसंद नहीं किया जाता है। इसलिए खुद में ये बदलाव जरूर लाएं कि, बोलने के बाद सामने वाले की बात सुनना भी सीखें। जब आप सामने वाले की बात को ध्यान से सुनते हैं, तो उसे खुद में इंपोर्टेंस महसूस होती है। इससे रिश्ते मजबूत होते हैं और लोग आपको समझदार मानते हैं।

झड़ते बालों और डैंड्रफ से राहत दिलवाएगा ये उपाय

बालों का झड़ना महिलाओं में एक आम समस्या है। पोषण की कमी का असर शरीर के अलावा बालों पर भी पड़ता है। बाल जड़ से कमजोर हो जाते हैं। बाजार में मिलने वाले प्रोडक्ट्स भी कोई खास कमाल नहीं कर पाते हैं। इसमें मौजूद केमिकल बालों को और ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में बाजार के केमिकल प्रोडक्ट्स के बजाए आप घरेलू नुस्खों पर भरोसा कर सकती हैं। चुकंदर और दही का हेयर मास्क बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। चुकंदर में मौजूद पोषक तत्व हेयर फॉल और डैंड्रफ जैसी बालों से जुड़ी समस्याओं से निजात दिलवाता है। इससे मिलने वाले फायदों के बारे में विस्तार से।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

डाइटिशियन के अनुसार चुकंदर में कैलोरी, फैट, प्रोटीन, शुगर, आयरन और कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो बालों की हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है।

बालों को झड़ने से रोकता है

चुकंदर और दही का हेयर मास्क फॉल की समस्या को रोकने में कारागार है। चुकंदर में पाए जाने वाला विटामिन ई बालों को मजबूती देता है।

बालों की ग्रोथ होती है

चुकंदर और दही का हेयर मास्क बालों की ग्रोथ को बढ़ाने में मदद करता है। इसके लिए मास्क को बालों में लगाकर 30 मिनट के बाद गुनगुने पानी से धो लें।

डैंड्रफ की समस्या से भी छुटकारा मिलता है

चुकंदर में विटामिन सी और एंटी- ऑक्सीडेंट्स जैसे गुण पाए जाते हैं, जो डैंड्रफ से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। इससे स्कैल्प का इंफेक्शन भी ठीक होता है।

बालों को सफेद होने से रोकता है

शरीर में पोषण की कमी के कारण बाल सफेद होने लग जाते हैं। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए चुकंदर और दही के हेयर मास्क का इस्तेमाल करें।

ऐसे करें चुकंदर का हेयर पैक इस्तेमाल

हेयर मास्क बनाने के लिए एक छोटे आकार के चुकंदर को छील कर उसका जूस निकाल लें। अब इसमें थोड़ी सी दही मिलाकर बालों में लगाएं और 20 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।

मुख्यमंत्री से मिली सर्वधर्म सेवा संस्था की टीम
अंगदान करने वालों को राजकीय सम्मान देने की मांग

छत्तीसगढ़ को अंगदान और देहदान के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए सौंपा 16 सूत्रीय सुझाव-पत्र

भिलाई। छत्तीसगढ़ को अंगदान एवं देहदान के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में सर्वधर्म सेवा संस्था, भिलाई ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य भेंट की। संस्था के संरक्षक इंद्रजीत सिंह 'छोटू भईया' के सहयोग एवं मार्गदर्शन में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को 16 बिंदुओं का विस्तृत सुझाव-पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि पूरे प्रदेश में अंगदान और देहदान को जन-जागरूकता अभियान के रूप में संचालित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस पुनीत कार्य से जुड़ सकें। संस्था ने यह भी मांग रखी कि अंगदान करने वाले दाताओं को मरणोपरांत राजकीय सम्मान प्रदान किया जाए, जिससे समाज में अंगदान के प्रति सम्मान, विश्वास और प्रेरणा का वातावरण निर्मित हो सके।संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि प्रदेश में अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता वाले हजारों मरीज समय पर अंग नहीं मिलने के कारण कठिनाइयों का सामना करते हैं। यदि व्यापक जनजागरूकता और प्रभावी नीतिगत पहल की जाए, तो अनेक लोगों को नया जीवन मिल सकता है।

समाज के लिए जीवनदान का सबसे बड़ा माध्यम है अंगदान : इंद्रजीत सिंह 'छोटू भईया'-सर्वधर्म सेवा संस्था के संरक्षक इंद्रजीत सिंह 'छोटू भईया' ने कहा कि अंगदान केवल एक दान नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का सबसे बड़ा मानवतावादी कार्य है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता इस बात की है कि समाज में अंगदान और देहदान को लेकर मौजूद भ्रांतियों को दूर किया जाए तथा इसे जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जाए। उन्होंने कहा, यदि शासन, चिकित्सा संस्थान, सामाजिक संगठन और जागरूक नागरिक एक साथ मिलकर कार्य करें तो छत्तीसगढ़ अंगदान के क्षेत्र में पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है। अंगदान करने वाले परिवारों का सम्मान होना चाहिए, क्योंकि उनके निर्णय से कई लोगों को नया जीवन मिलता है। ऐसे दाताओं को मरणोपरांत राजकीय सम्मान दिया जाना समाज के लिए एक सकारात्मक और प्रेरणादायक संदेश होगा।

भूमिपूजन से वार्ड 36 को मिली विकास कार्यों की सौगात, 17.50 लाख से बनेंगी नालियां और पुलिया

महापौर अलका बाघमार ने कहा शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

जलभराव की समस्या से मिलेगी राहत, नागरिकों ने विकास कार्यों का किया स्वागत

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और नागरिकों की वर्षों पुरानी समस्याओं के निराकरण की दिशा में लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 36 गंजपारा (पुलिस लाइन क्षेत्र) में लगभग 17.50 लाख की लागत से विभिन्न स्थानों पर नाली एवं पुलिया निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर,एमआईसी शिव नायक वार्ड पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता तथा बड़ी संख्या में उपस्थित वार्डवासियों की मौजूदगी में किया। इस स्वीकृत कार्य के अंतर्गत बांधा तालाब निचली बस्ती एवं जीवन प्लाजा के पीछे, मंदिर से चौहान निवास तक, मोहन बाल मंदिर के आसपास तथा सरदार पटेल स्कूल के सामने नाली एवं पुलिया का निर्माण कराया जाएगा। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में जल निकासी की व्यवस्था मजबूत होगी, बरसात के दौरान होने वाले जलभराव से राहत मिलेगी तथा नागरिकों को आवागमन में बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। भूमिपूजन के दौरान महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य प्रत्येक वार्ड में समान रूप से विकास कार्य कर नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली, पुलिया, पेयजल एवं स्वच्छता जैसी आवश्यक सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य किए जा रहे हैं, ताकि शहर का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना नगर निगम की जिम्मेदारी है और इसी भावना के साथ विकास कार्यों को गति दी जा रही है। महापौर ने कहा कि बरसात के मौसम में जल निकासी की समुचित व्यवस्था अत्यंत आवश्यक होती है। इसलिए जिन क्षेत्रों में नालियों और पुलियों की आवश्यकता महसूस की गई, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य स्वीकृत कराए गए हैं। इन निर्माण कार्यों के पूरा होने से क्षेत्रवासियों को लंबे समय तक इसका लाभ मिलेगा और स्वच्छ एवं व्यवस्थित वातावरण तैयार होगा।

इस अवसर पर वार्ड पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता एवं स्थानीय नागरिकों ने वार्ड में विकास कार्यों की स्वीकृति के लिए महापौर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन निर्माण कार्यों से क्षेत्र की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान होगा और आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। कार्यक्रम में उपअभियंता मोहित मरकाम, अजय शर्मा, कमल नारायण रूंगटा, विजय गुप्ता, मनोज श्रीवास्तव, सुरेश गुप्ता, प्रहलाद, महेंद्र सवसेरिया, सरिता शर्मा, किरण सेन, चंचल शर्मा सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने की राजस्व प्रकरणों की समीक्षा

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में लंबित राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, खाता विभाजन, भू-अभिलेख, भू-अर्जन, डायवर्सन और नक्शा बटांकन से जुड़े मामलों में समय-सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में तहसीलवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अविवादित नामांतरण एवं बंटवारे के मामलों का अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। कलेक्टर ने निकायवार पट्टाधारी सर्वे की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को 15 जुलाई तक सर्वे कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही अतिक्रमण के प्रकरणों का परीक्षण कर तत्काल कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने एग्रीस्टैक पोर्टल पर किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने तथा बकेट क्लेम में लंबित किसानों के पंजीयन में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में एग्रीस्टैक बकेट क्लेम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को बकेट क्लेम की विस्तृत मार्गदर्शिका तैयार कर ऑपरेटरों को प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को योजना का लाभ समय पर मिल सके। कलेक्टर ने समय-सीमा से बाहर लंबित अविवादित नामांतरण एवं खाता विभाजन के सभी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। वहीं विवादित नामांतरण एवं खाता विभाजन के मामलों में पटवारियों द्वारा प्रतिवेदन अथवा फर्द प्रस्तुत नहीं किए जाने पर संबंधित पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सीमांकन प्रकरणों की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि समय-सीमा से बाहर लंबित सभी मामलों का अभियान चलाकर जल्द निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि सीमांकन पूरा होने के बाद संबंधित पटवारी तीन दिवस के भीतर अपनी रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें।

बैठक में कोटवार भूमि के विक्रय से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई। भू-आबंटन के प्रकरणों की प्रगति की जानकारी ली। सहकारी समितियों के लिए भू-आबंटन हेतु उपयुक्त भूमि का चयन करने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने तहसीलवार प्रगति की जानकारी ली तथा योजना के तहत तैयार नए पट्टों का वितरण जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कराने के निर्देश दिए। उन्होंने भारतमाला परियोजना एवं राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 के तहत भू-अर्जन और मुआवजा भुगतान की प्रगति की भी समीक्षा की। अभिलेख शुद्धता अभियान के तहत संयुक्त खातेदारों के नाम अलग-अलग दर्ज करने, खसरा विहीन नक्शों का सुधार तथा अभिलेख दुरुस्ती का कार्य एक सप्ताह के भीतर पूरा करने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि निर्धारित समय में कार्य पूरा नहीं करने वाले संबंधित पटवारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने को कहा। बैठक में अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर मती योगिता देवांगन सहित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

नगर पालिका में पांच एल्डरमैन नियुक्त, विकास कार्यों को मिलेगी नई गति, अब 24 जनप्रतिनिधी सुनेंगे जनता की समस्या

अमलेश्वर। दुर्ग जिले के अंतर्गत नगर पंचायत, नगर पालिका एवं नगर निगमों में एल्डरमैन की नियुक्ति कर दी गई है। इसी क्रम में नगर पालिका परिषद अमलेश्वर में पांच भाजपा कार्यकर्ताओं को एल्डरमैन नियुक्त किया गया है। इनमें सुनील शर्मा, भारती यादव, लक्ष्मी देवांगन, हीरालाल साहू एवं रामाधार साहू के नाम पर मुहर लगी है। एल्डरमैन की नियुक्ति के बाद नगर पालिका परिषद अमलेश्वर की राजनीति में नया मोड़ आ गया है। नगरवासियों को उम्मीद है कि अब जनहित के मुद्दों और विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। लंबे समय से नगर के लोग मूलभूत सुविधाओं की कमी और अवैध कब्जों जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में नव-नियुक्त एल्डरमैनों से अपेक्षा की जा रही है। नगर में अब इस बात को लेकर चर्चा तेज है कि पांचों एल्डरमैन नगर के विकास में किस प्रकार अपनी भूमिका निभाएंगे और आम नागरिकों की समस्याओं को कितनी जिम्मेदारी के साथ पालिका प्रशासन के समक्ष रखकर उनके समाधान के लिए प्रयास करेंगे। इन समस्याओं के समाधान की लगातार जनहित के मुद्दों पर अपेक्षित कार्य नहीं होने के कारण विपक्ष के साथ-साथ सत्ता पक्ष के पार्षदों में भी नाराजगी देखी जा रही थी। ऐसे में एल्डरमैनों की नियुक्ति से नगरवासियों को उम्मीद है कि विकास कार्यों में आ रही रुकावटों पर विराम लगेगा। अब नगर पालिका परिषद अमलेश्वर में 18 पार्षदों और 5 एल्डरमैन , अध्यक्ष सहित कुल 24 जनप्रतिनिधि पालिका प्रशासन के साथ मिलकर नगर के विकास और जनसमस्याओं के समाधान के लिए कार्य करेंगे।

एनएसपीसीएल ने सीएसआर के तहत नगर निगम को दिए दो आधुनिक मोबाइल टॉयलेट

- भिलाई-चरौदा को मिली स्वच्छता की नई सौगात,सार्वजनिक आयोजनों में बढ़ेगी नागरिक सुविधा

भिलाई-चरौदा। शहर में स्वच्छता और जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए एनएसपीसीएल भिलाई ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के तहत भिलाई-चरौदा नगर निगम को दो अत्याधुनिक मोबाइल टॉयलेट प्रदान किए हैं। इन मोबाइल टॉयलेटों का उपयोग धार्मिक आयोजनों, मेलों, सामाजिक कार्यक्रमों एवं अन्य बड़े सार्वजनिक आयोजनों में नागरिकों को स्वच्छ और सुविधाजनक शौचालय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए किया जाएगा। मोबाइल टॉयलेट हस्तांतरण कार्यक्रम में नगर निगम के जनप्रतिनिधियों एवं एनएसपीसीएल के अधिकारियों की उपस्थिति में इन सुविधाओं को नगर निगम को सौंपा गया। इस पहल को शहर की स्वच्छता व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, शहर में आयोजित होने वाले बड़े आयोजनों के दौरान अस्थायी शौचालय व्यवस्था एक बड़ी चुनौती होती है। आधुनिक मोबाइल टॉयलेट उपलब्ध होने से अब नागरिकों, विशेषकर महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं बाहर से आने वाले लोगों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। इससे आयोजनों में स्वच्छता बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। महापौर निर्मल कोसरे ने एनएसपीसीएल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नगर निगम नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि मोबाइल टॉयलेटों के शामिल होने से निगम की जनसेवा क्षमता और अधिक मजबूत होगी तथा सार्वजनिक कार्यक्रमों में स्वच्छता और नागरिक सुविधा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि उद्योग और स्थानीय निकायों के बीच इस प्रकार का सहयोग शहर के विकास और जनहित के कार्यों को नई गति प्रदान करता है। कार्यक्रम में एनएसपीसीएल के प्रतिनिधि सरफराज उपस्थित रहे। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य मोहन साहू एवं वेंकट रमना, पार्षद डे साहब वर्मा, टेनेन्द्र ठाकरे, डी. वेंकट राव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। नगर निगम ने एनएसपीसीएल के इस सहयोग को जनहित और स्वच्छता के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल बताते हुए भविष्य में भी ऐसे सहयोगात्मक प्रयासों की अपेक्षा जताई है।

निगम प्रशासन का मानना है कि इससे स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को भी मजबूती मिलेगी और शहर में नागरिक सुविधाओं का विस्तार होगा।

संसाधन स्त्रोत केंद्र हेतु स्पीच थैरेपिस्ट और अटेंडेंट पदों के लिए आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। जिले में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण शासकीय पहल की गई है। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़, रायपुर के दिशा-निर्देशों के परिपालन में, जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा दुर्ग द्वारा विकासखण्ड स्तर पर संचालित संसाधन स्रोत केन्द्रों के लिए अस्थाई नियुक्तियों हेतु विज्ञापन जारी किया गया है। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से संसाधन स्रोत केन्द्रों में रिक्त पदों को भरा जाएगा ताकि विशेष बच्चों को आवश्यक थेरेपी और सहायता सुलभ कराई जा सके। जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस भर्ती अभियान के तहत 'स्पीच थैरेपिस्ट' के 01 पद पर अस्थाई रूप से नियुक्ति की जाएगी, जिसके लिए निश्चित मानदेय 20,833 रुपये प्रति माह निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त, केंद्र के सुचारू संचालन और बच्चों की देखभाल हेतु 'अटेंडेंट' के 02 अस्थाई पदों पर भी भर्ती की जा रही है, जिसके लिए 7,000 रुपये प्रति माह का निश्चित मानदेय देय होगा। इच्छुक और योग्य आवेदक इन पदों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2026 निश्चित की गई है। आवेदकों की सुविधा के लिए विभाग द्वारा डिजिटल लिंक जारी किए गए हैं। योग्य उम्मीदवार स्पीच थैरेपिस्ट पद के लिए निर्धारित गूगल लिंक और अटेंडेंट पद के लिए पर जाकर अपना आवेदन सफलता पूर्वक दर्ज कर सकते हैं। इस भर्ती से संबंधित विस्तृत शैक्षणिक योग्यता, नियम एवं अन्य शर्तों की विस्तृत जानकारी के लिए आवेदक किसी भी कार्य दिवस में जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा दुर्ग के सूचना पटल का अवलोकन कर सकते हैं। यह आदेश जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला परियोजना अधिकारी अरविंद कुमार मिश्रा द्वारा डिजिटल हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

कोविड-19 में अनाथ हुए बच्चों से कलेक्टर सिंह ने किया संवाद, पढ़ाई और भविष्य पर की चर्चा

दुर्ग। कोविड-19 महामारी के दौरान अपने माता-पिता को खो चुके दस बच्चों (प्रीति टंडन, करीना टंडन, स्पनिल बोस, दुष्यंत कुमार साहू, जयंत कुमार साहू, वैभव बंजारे, सुल्ताना खान, यमुना ठाकुर, जय ठाकुर, रविन्द्र कुमार टंडन) से कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज आत्मीय मुलाकात कर संवाद किया। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में उन्होंने बच्चों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत करते हुए उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। कलेक्टर सिंह ने बच्चों से उनके वर्तमान विद्यालय, पढ़ाई की स्थिति और रुचियों के बारे में विस्तार से पूछा। उन्होंने यह भी जाना कि बच्चे भविष्य में क्या बनना चाहते हैं और किस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं। उन्होंने छात्रवृत्ति की उपलब्धता और शासन द्वारा दी जा रही अन्य सहायता योजनाओं के बारे में भी बच्चों से सीधे जानकारी ली। भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पीएम केयर्स में लाभान्वित बालक/बालिकाओं को स्पांसरशिप योजना, महतारी दुलार योजना, एक्सग्रेसिया (आपदा प्रबंधन राहत कोष), 23 वर्ष पूर्ण होने पर एकमुश्त 10 लाख रूपए की राशि, कक्षा पहली से 12वीं तक अध्ययनरत लाभार्थियों को प्रति वर्ष 20 हजार रूपए की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास अधिकारी को सभी बच्चों के आधार कार्ड, बायोमेट्रिक अपडेट, 18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवाओं के वोटर आईडी कार्ड एवं जाति प्रमाण पत्र बनाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी बच्चों से उनकी वर्तमान पढ़ाई और शैक्षणिक प्रगति की जानकारी ली। बच्चों ने अपने-अपने अध्ययन और भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। इस दौरान कलेक्टर ने उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने, लक्ष्य निर्धारित करने तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। इस दौरान महिला एवं बाल विकास के अधिकारी अजय साहू, जिला बाल संरक्षण अधिकारी प्रीति डांगरे, परियोजना समन्वयक चंद्रप्रकाश पटेल, जिला बाल संरक्षण ईकाई के कर्मचारी उपस्थित थे।

शौर्य चक्र से सम्मानित जवान भोजराम साहू को कलेक्टर ने किया सम्मानित

बल्लीराजहरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों से शौर्य चक्र से सम्मानित होने वाले जिले के वीर जवान भोजराम साहू का कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने संयुक्त जिला कार्यालय में स्थित अपने कक्ष में शॉल एवं पौधा भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर कलेक्टर मिश्रा ने जिले के डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम ढोरेंठेमा निवासी असम रायफल्स के जवान भोजराम साहू की अदम्य वीरता एवं कर्तव्य परायणता की भूरी-भूरी सराहना की। मिश्रा ने कहा कि साहू की गौरवपूर्ण उपलब्धि से बालोद जिला गौरवान्वित हुआ है। कलेक्टर ने भोजराम साहू की देश प्रेम एवं अदम्य वीरता को सभी के लिए प्रेरणादायी बताते हुए उनके यशस्वी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मिश्रा ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए साहू एवं उनके परिजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। उल्लेखनीय है कि असम राइफल्स के जवान भोजराम साहू को यह सम्मान वर्ष 2025 में मणिपुर के टेंगनौपाल क्षेत्र में आतंकवादियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन में दिखाए गए अदम्य साहस के लिए मिला है। अभियान के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर घात लगाकर अचानक हमला कर दिया था। ऐसी अत्यधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच भोजराम ने अपनी जान की परवाह न करते हुए आगे बढ़कर मोर्चा संभाला। उन्होंने बेहद नजदीक से आतंकियों पर जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के दौरान उन्हें एक गोली भी लगी, लेकिन घायल होने के बावजूद वे पीछे नहीं हटे और अपनी जिम्मेदारी पर डटे रहे। उनके इस अदम्य साहस ने अभियान को सफल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई थी।

ग्रामीण परिवारों को अब 125 दिनों का गारंटीशुदा रोजगार, मजदूरी दर बढ़कर 300 रुपये प्रतिदिन

जिले में विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन का शुभारंभ

दुर्ग। जिला पंचायत सभा कक्ष, दुर्ग में विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (जी-रामजी) के शुभारंभ के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ तिरुपति (आंध्र प्रदेश) से केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा वर्चुअल माध्यम से किए गए राष्ट्रीय शुभारंभ के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल तथा विधायक ललित चंद्राकर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष मती सरस्वती बंजारे ने की। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन शर्मा, जनपद पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष मती कुलेश्वरी देवांगन, जिला पंचायत सदस्य सु प्रिया साहू, मती श्रद्धा साहू, मती नीलम चंद्राकर सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। सांसद विजय बघेल ने कहा कि विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन, विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत प्रत्येक पंजीकृत ग्रामीण परिवार को अब 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का कानूनी रूप से गारंटीशुदा मांग आधारित रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही छत्तीसगढ़ में मजदूरी दर 262 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रतिदिन कर दी गई है, जिससे ग्रामीण श्रमिकों की आय में वृद्धि होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत रोजगार की मांग प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर कार्य उपलब्ध कराने तथा मजदूरी का भुगतान सात दिनों के भीतर सुनिश्चित करने का प्रावधान किया गया है। समय पर रोजगार उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार गारंटीकृत बेरोजगारी भत्ता भी प्रदान किया जाएगा। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक व्यय की सीमा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत कर दी गई है। योजना के अंतर्गत ग्रामीण विकास के चार प्रमुख क्षेत्रों जल सुरक्षा, मूलभूत ग्रामीण अधोसंरचना, आजीविका संवर्धन एवं आपदा-निवारण पर विशेष फोकस किया जाएगा। ग्राम पंचायतों में स्थायी परिसंपत्तियों एवं आधारभूत अधोसंरचना के निर्माण से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा ग्राम पंचायतों के सतत एवं समग्र विकास को गति मिलेगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम सभा के माध्यम से विकसित ग्राम पंचायत योजना तैयार की जाएगी। प्रधानमंत्री गति शक्ति पहल के अनुरूप आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर विकास कार्यों का चयन किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com